रोहतक
शुक्रवार, 29 मार्च 2024
चैत्र मास कृष्ण पक्ष,
चतुर्थी वर्ष : 28, अंक : 61
पृष्ठ 12 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 36.0
न्यून. 18.7

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

05 सिंधू ने मैड्रिड स्पेन मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

वकीलों की चिट्ठी के जवाब में पीएम मोदी ने किया ट्वीट

डराना और धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति, वे स्वार्थों के लिए कुछ भी कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और सभी पार्टियां अपने उम्मीदवारों का ऐलान भी कर रही हैं। इसी बीच, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को 600 से ज्यादा वरिष्ठ वकीलों के लिखे पत्र पर पीएम नरेंद्र मोदी ने भी अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया कि दूसरों को डराना-धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। पांच दशक पहले ही उन्होंने प्रतिबद्ध न्यायपालिका का आह्वान किया था-वे बेशर्मी से अपने स्वार्थों के लिए दूसरों से प्रतिबद्धता चाहते हैं, वे अपने स्वार्थों के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार हैं, लेकिन राष्ट्र के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता से बचते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि 140 करोड़ भारतीय उन्हें अस्वीकार कर रहे हैं।

600 से ज्यादा वरिष्ठ वकीलों ने सीजेआई को लिखा पत्र

देश के पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरीश साल्वे समेत 600 से ज्यादा वरिष्ठ वकीलों ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा गया है कि न्यायपालिका खतरे में है और इसे राजनीतिक और व्यवसायिक दबाव से बचाना होगा। वकीलों ने चिट्ठी में लिखा कि न्यायिक अखंडता को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। हम वो लोग हैं, जो कानून को कायम रखने के लिए काम करते हैं। हमारा यह मानना है कि हमें अदालतों के लिए खड़ा होना होगा। अब साथ आने और आवाज उठाने का वक्त है। उनके खिलाफ बोलने का वक्त है जो छिपकर वार कर रहे हैं। हमें निश्चित करना होगा कि अदालतें लोकतंत्र का स्तंभ बनी रहें। इन सोचे-समझे हमलों का उन पर कोई असर ना पड़े।

26 मार्च को लिखी चिट्ठी

सूत्रों के मुताबिक, सीजेआई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखने वाले 600 से ज्यादा वकीलों में हरीश साल्वे के अलावा बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन मिश्रा, अदिश अग्रवाल, चेतन मित्तल, पिंकी आनंद, हितेश जैन, उज्ज्वला पवार, उदय होल्ला और स्वरूपमा चतुर्वेदी आदि शामिल हैं। वकीलों ने लिखा, 'रिस्पेक्टेड सर, हम सभी आपके साथ अपनी बड़ी चिंता साझा कर रहे हैं। एक विशेष समूह न्यायपालिका पर दबाव डालने की कोशिश कर रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले, सेना में युवाओं की जरूरत

जरूरत पड़ी तो अग्निवीर योजना में बदलाव के लिए सरकार तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार जरूरत पड़ने पर अग्निवीर भर्ती योजना में बदलाव के लिए तैयार है। एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि अग्निवीरों का भविष्य सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा-सेना को युवाओं की जरूरत है। मुझे लगता है कि युवा उत्साह से भरा होता है। वे टेक-लवर होते हैं। हमने इस बात का उचित ध्यान रखा है कि उनका भविष्य भी सुरक्षित रहे। जरूरत पड़ी तो हम बदलाव भी करेंगे। बता दें कि अग्निवीर स्कीम लागू होते ही विवादों में आ गई थी। इस स्कीम में सिर्फ 4 साल की सर्विस को विपक्ष ने युवाओं के साथ धोखा बताया था। कांग्रेस ने अपने चुनावी कैंपेन में अग्निवीर स्कीम को मुख्य मुद्दा बनाया है।

2022 में लागू हुई योजना, कांग्रेस ने चुनावी मुद्दा बनाया

यह है योजना

केंद्र सरकार ने 14 जून 2022 को सेना की तीनों शाखाओं-थलसेना, नौसेना और वायुसेना में युवाओं की बड़ी संख्या में भर्ती के लिए अग्निपथ भर्ती योजना शुरू की थी। इस स्कीम के तहत नौजवानों को सिर्फ 4 साल के लिए डिफेंस फोर्स में सेवा देनी होगी।

भारत की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित : राजनाथ

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की सीमाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं और देश के लोगों को सशस्त्र बलों पर पूरा भरोसा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर कोई मानता है कि सशस्त्र बलों का युवा स्वरूप होना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने लगभग 50 साल लंबे अपने राजनीतिक सफर के किस्से भी साझा किए। यह पूछे जाने पर कि भारत-चीन सीमा मुद्दे पर विपक्षी दलों सहित कई लोगों द्वारा उठाए गए सवालों पर उन्होंने क्या प्रतिक्रिया दी, सिंह ने कहा कि वे कभी उनसे परेशान नहीं हुए। सिंह ने कहा, "देश के हितों को ध्यान में रखते हुए, मैं उन्हें (विपक्षी दलों को) जो कुछ भी बता सकता हूं, बताता हूं। लेकिन रक्षा क्षेत्र में कई चीजें हैं जिनका रणनीतिक महत्व है और हम उन्हें सार्वजनिक रूप से नहीं बता सकते।

क्या 4 बयान गिरफ्तारी के लिए काफी : केजरी ईडी का जवाब - मुख्यमंत्री कानून से ऊपर नहीं

केजरीवाल की हिरासत एक अप्रैल तक बढ़ी, सीएम पद से हटाने की मांग वाली अर्जी खारिज

केजरीवाल ने खुद अपने केस की पैरवी की | ऐसा करने वाले देश के पहले सिटिंग सीएम | पूछा-मुझे किस आधार पर गिरफ्तार किया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने आबकारी नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ईडी की हिरासत बृहस्पतिवार को एक अप्रैल तक बढ़ा दी। इससे पहले शराब नीति घोटाला केस में केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में करीब 39 मिनट सुनवाई चली। केजरीवाल ने खुद अपने केस की पैरवी की। वे ऐसा करने वाले देश के पहले सिटिंग सीएम बन गए हैं। ईडी ने कोर्ट से केजरीवाल की 7 दिन की कस्टडी और मांगी थी। दलीलें सुनने के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला रिजर्व कर लिया था। कोर्ट में सुनवाई दोपहर 1.59 बजे शुरू होकर दोपहर 2.39 बजे खत्म हुई। केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी का विरोध करते हुए कहा कि इस केस में मेरा नाम सिर्फ चार जगह आया है। 4 स्टेटमेंट दिए गए और उनमें से कोर्ट के सामने वो बयान लाया गया, जिसमें मुझे फंसाया गया। क्या ये 4 स्टेटमेंट एक मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने के लिए काफी हैं? इसके जवाब में ईडी ने कहा-मुख्यमंत्री कानून से ऊपर नहीं हैं। वहीं, कोर्ट में पेशी के लिए जाते वक्त उनसे पूछा गया कि एलजी ने कहा था कि सरकार जेल से नहीं चलेगी। इसके जवाब में केजरीवाल ने कहा कि ये पॉलिटिकल षड्यंत्र है, जनता इसका जवाब देगी।

सीएम पद से हटाना कार्यपालिका का मसला

दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट के एसीजे ने मामले में दखल देने से इनकार करते हुए कहा कि ये कार्यपालिका का मसला है। एसीजे मनमोहन ने कहा, इस याचिका पर हमें सुनवाई नहीं करना चाहिए। कार्यपालिका को ये मामला देखना चाहिए। इसमें न्यायपालिका के दखल की कोई गुंजाइश नहीं है। (पेज 8 भी देखें)

ईडी ने अदालत में यह भी कहा

ईडी ने कहा कि हिरासत के दौरान केजरीवाल का सामना पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के तत्कालीन निजी सचिव सी अरविंद से कराया गया, जिन्हें मुख्यमंत्री के आवास पर 2021-22 की आबकारी नीति के लिए मंत्रियों के समूह (जीओएम) की मसौदा रिपोर्ट सौंपी गई थी। ईडी ने कहा कि केजरीवाल की हिरासत के दौरान, 2022 के गोवा चुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों में से एक का बयान भी दर्ज किया गया। जांच एजेंसी ने कहा कि इससे पता चला कि उम्मीदवार के पास धन नहीं था और उसका चुनाव खर्च "आप कार्यालय दिल्ली द्वारा अपने सहयोगियों के माध्यम से वहन किया गया।

अमेरिका की टिप्पणी का कोई औचित्य नहीं : भारत

भारत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर की गई अमेरिकी विदेश विभाग की टिप्पणी को 'अनुचित' करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उसे अपनी स्वतंत्र और मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गर्व है और वह इन्हें किसी भी प्रकार के अनावश्यक बाहरी प्रभाव से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिका की ऐसी टिप्पणी का कोई औचित्य नहीं है। भारत में कानूनी प्रक्रियाएं कानून के शासन द्वारा ही संचालित होती हैं। हमारे मामलों में दूसरों को दखल देने का हक नहीं है। भारतीय विदेश विभाग के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेसवार्ता के दौरान गिरफ्तारी पर वाशिंगटन की टिप्पणी को लेकर नई दिल्ली के रुख के बारे में पूछे जाने पर यह प्रतिक्रिया व्यक्त की।

भारत ने कहा, कानूनी प्रक्रियाएं कानून के शासन द्वारा ही संचालित होती हैं

केजरी की गिरफ्तारी पर यूएस ने कहा, हम पारदर्शी कानूनी कार्रवाई को प्रोत्साहित करते हैं

अमेरिकी विदेश विभाग का बयान अनुचित

जायसवाल ने कहा कि अमेरिकी विदेश विभाग का बयान 'अनुचित' है। उन्होंने कहा कि देश की चुनावी और कानूनी प्रक्रिया पर इस तरह का बाहरी प्रभाव पूरी तरह अस्वीकार्य है।हम इन्हें किसी भी प्रकार के अनुचित बाहरी प्रभाव से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है।'

पूर्व मंत्री सावित्री ने कांग्रेस छोड़ी, भाजपा में शामिल

सीएम सैनी और मनोहरलाल ने किया स्वागत, सावित्री जिंदल 29.1 अरब डॉलर की मालिक

हिसार (हरिभूमि न्यूज)। हरियाणा की पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल कांग्रेस छोड़कर बृहस्पतिवार को भाजपा में शामिल हो गईं। कुछ ही दिन पहले उनके बेटे और उद्योगपति नवीन जिंदल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। सावित्री जिंदल (84) हिसार में आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा में शामिल हुईं। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और अन्य भाजपा नेता उपस्थित रहे। सावित्री ने बुधवार देर रात एक सोशल मीडिया पोस्ट में कांग्रेस छोड़ने के अपने फैसले की घोषणा की। उन्होंने एक पोस्ट कर कहा, 'मैंने एक विधायक के रूप में 10 वर्ष तक हिसार के लोगों का प्रतिनिधित्व किया और एक मंत्री के रूप में निस्वार्थ भाव से हरियाणा राज्य की सेवा की है।

हिसार के लोग मेरा परिवार

सावित्री ने कहा, हिसार के लोग मेरा परिवार हैं और अपने परिवार की सलाह पर, मैं आज कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रही हूं। 'फोर्ब्स इंडिया' पत्रिका ने इस साल देश की सर्वाधिक अमीर महिलाओं की सूची में सावित्री जिंदल का नाम शामिल किया था। प्रसिद्ध उद्योगपति और हरियाणा के पूर्व मंत्री ओ पी जिंदल की पत्नी सावित्री जिंदल की कुल संपत्ति 29.1 अरब डॉलर है।

सीएम ने किया स्वागत

सैनी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हम भाजपा परिवार में दिग्गज कांग्रेस नेता, हरियाणा सरकार में पूर्व मंत्री, प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सावित्री जिंदल और उनकी बेटी सीमा जिंदल का स्वागत करते हैं।

महुआ मोइत्रा ईडी के सामने पेश नहीं हुईं

कोलकाता (भाषा)। टीएमसी की नेता महुआ मोइत्रा ईडी के समन को नजरअंदाज करते हुए गुरुवार को कृष्णानगर लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार में व्यस्त रहीं। ईडी ने मोइत्रा को दिल्ली में एजेंसी कार्यालय में पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा था। ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन मामले में पूछताछ के लिए मोइत्रा और दुबई में रह रहे व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी को नया समन जारी किया था। नादिया के कालियागंज में चुनाव प्रचार के बाद मोइत्रा ने कहा, ईडी अपना काम करेगी और मैं अपना काम करूंगी।

बंगाल के कृष्णानगर में प्रचार में व्यस्त

जेल में तबीयत बिगड़ी, बेहोश होकर गिरा

माफिया मुख्तार अंसारी की हार्टअटैक से मौत

लखनऊ (भाषा)। उत्तर प्रदेश की बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी की गुरुवार रात को हार्टअटैक से मौत हो गई।

माफिया से नेता बने मुख्तार को तबीयत बिगड़ने के बाद जिला जेल से रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई। बांदा मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य सुनील कौशल ने यह जानकारी दी। बांदा जेल में बंद अंसारी (63) को आज शाम मेडिकल कॉलेज ले जाया गया था। बताया जा रहा है कि बैरक में अंसारी अचानक बेहोश होकर गिर गया था। उधर, पूरे राज्य में सुरक्षा सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं, मऊ और गाजीपुर में धारा 144 लागू कर दी गई है। साथ ही बांदा में भी सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। डीजीपी मुख्यालय ने भी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। इससे पहले मंगलवार को भी मुख्तार की तबीयत बिगड़ी थी। 14 घंटे अस्पताल में भर्ती रहने के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया था। अंसारी 2005 से सजा काट रहा था। अलग-अलग मामलों में उसे 2 बार उम्रकैद हुई थी।

उत्तराखंडः गुरुद्वारे के डेरा प्रमुख तरसेम की हत्या

देहरादून (भाषा)। उत्तराखंड में नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारे के डेरा कारसेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को मोटरसाइकिल से आए अज्ञात हमलावरों ने उनपर गोलियां चला दी। गंभीर रूप से जख्मी बाबा तरसेम सिंह को खटीमा के निजी अस्पताल में पहुंचाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। उत्तराखंड पुलिस का कहना है कि नानकमत्ता गुरुद्वारे के डेरा कारसेवा प्रमुख की हत्या की जांच के लिए एसआईटी की टीम गठित की गई है।नानकमत्ता में डेरा प्रमुख तरसेम सिंह को हमलावरों ने 3 सेकेंड में 2 गोली मारी थी। हमलावर सीसीटीवी फुटेज में भी कैद हुए हैं।

ईडी ने पंजाब में तीन करोड़ जब्त किए

नई दिल्ली (भाषा)। ईडी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने अमरूद बागान मुआवजा घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में पंजाब में दो आईएएस अधिकारियों समेत विभिन्न लोगों के कई परिसर पर छापेमारी करके 3.89 करोड़ रुपये नकद व दस्तावेज जब्त किए। केंद्रीय एजेंसी ने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि कहां से क्या बरामद हुआ। छापामारी बुधवार को शुरू की गई और फिरोजपुर, मोहाली (एसएएस नगर), बठिंडा, बरनाला, पटियाला और चंडीगढ़ में कुल 26 आवासीय व व्यावसायिक परिसर पर छापेमारी की गई।

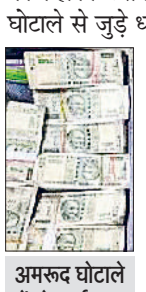

अमरूद घोटाले में दो आईएएस पर मारे थे छापे

भूचाल | बड़ी सियासी साजिश का पर्दाफाश, मुख्य सचिव और सीएम का जिक्र

पूर्व सीएम, मुख्य सचिव सहित कई अफसरों को लगी मामले की भनक तो खुलासा

गुरुग्राम में करोड़ों की जगह रिलीज होने का जिक्र आते ही चेक कराया कैबिनेट एजेंडा

प्रदेश कैबिनेट का फर्जी नोट बना बड़े गोलमाल की तैयारी, पहले ही शिकंजा

योगेंद्र शर्मा ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक का एक फर्जी नोट तैयार कर गुरुग्राम में प्राइम-लोकेशन की बेशकीमती जगह (राजीव चौक) रिलीज कराने का फर्जीवाड़े की साजिश रचने वालों के विरुद्ध सरकार के निर्देशों के बाद शिकंजा कस दिया है। इस संबंध में तीन सरकारी कर्मियों को हिरासत में लेकर पूछताछ हो चुकी है, जबकि पंचकूला के एक प्रमुख प्रापर्टी डीलर सहित 6-7 लोगों को गिरफ्तार करने की तैयारी है। सूत्रों का कहना है कि उक्त साजिश जगह रिलीज कराने, अथवा जगह की बिक्री करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिये सिसायी भूचाल लाने की साजिश रची जा रही थी, लेकिन साजिश का खुलासा उस वक्त हो गया, जब कुछ लोगों ने उस फर्जी कैबिनेट के नोट व एजेंडे को लेकर गुरुग्राम की जगह रिलीज के बारे में हरियाणा सचिवालय की कैबिनेट ब्रांच में पूछताछ की, सूचना पूर्व सीएम मनोहरलाल और मुख्य सचिव तक पहुंच गई, जिस पर तुरंत ही जांच पड़ताल की शुरू हुई। इसके बाद में पता चला कि कैबिनेट का नोट तैयार किया गया, उस पर ऊपर तारीख 15 नवंबर दिखाई गई और 5 एजेंडे नवंबर में हुई बैठक के डाले गए, जबकि नीचे की तरफ जगह रिलीज करने संबंधी बिंदु डालते हुए इसमें तकनीकी भाषा का इस्तेमाल किया गया। मुख्यमंत्री, मुख्यसचिव, एफसीआर और एसीएस वित्त का जिक्र करते हुए उनके आधार पर एक अधीक्षक के भी फर्जी हस्ताक्षर किए गए हैं।

सीएम ऑफिस में हड़कंप : जैसे ही मामले का पता लगा, वैसे ही सीएम आफिस, मुख्य सचिव आफिस, एसीएस वित्त जैसे दफ्तरों में हड़कंप मच गया। इसके बाद में एक राजस्व विभाग, एक हाउसिंग बोर्ड कर्मचारी व एक अधीक्षक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। बाद में कुछ अन्य नाम सामने आते गए।

ये रैकेट में शामिल : क्राइम ब्रांच सरकार, मुख्य सचिव और पुलिस अफसरों द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद सक्रिय हो गई है। हाउसिंग फार आल (हाउसिंग बोर्ड) का एक कर्मचारी, राजस्व विभाग के एक अधीक्षक व एक अन्य से पूछताछ की गई है। पंचकूला के रहने वाले प्रापर्टी डीलर के भी साजिश में शामिल होने की बात कही जा रही है। पुलिस व क्राइम ब्रांच ने 6-7 लोगों पर शिकंजा कस दिया है। इनसे गहन पूछताछ होगी, ताकि सारे मामले का खुलासा हो सके।

राजीव चौक की जमीन पर खेल की तैयारी थी

गुरुग्राम राजीव चौक की जमीन को लेकर शातिर खेल किया गया है। 500 करोड़ की जमीन हथियाने की स्क्रिप्ट व योजना बनाई गई, जिसमें हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक का जिक्र करते हुए फर्जी एजेंडा और कैबिनेट नोट तक तैयार कर दिया गया। गुरुग्राम के बादशाहपुर और राजीव चौक क्षेत्र की बेशकीमती जमीनों को रिलीज करने के लिए कैबिनेट मीटिंग का एक फर्जी पत्र तैयार किया। इसमें 15 और 21 दिसंबर 2023 की तारीख लिखी गई, जबकि इस तरह की कैबिनेट बैठक हुई ही नहीं। हालांकि फर्जीवाड़ा होने से पहले ही यह मामला पकड़ में आ गया।

खबर संक्षेप

सांसद दुग्गल के पति के विरुद्ध दी शिकायत

चंडीगढ़। सिरसा लोकसभा सीट से सांसद सुनीता दुग्गल के पति और आईपीएस अधिकारी राजेश दुग्गल को पुलिस कमिश्नरी से हटा दिया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त को शिकायत जाने के बाद में हरियाणा राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से इस पर एक्शन लिया गया है। दुग्गल के अलावा अन्य कई पुलिस अफसरों पर आने वाले समय में गाज गिरने जा रही है, खासतौर पर जिन पुलिस अफसरों के पास में दोहरे प्रभार हैं, साथ ही लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं।

जागरूक सांसद ही करवा सकता है विकास : दुष्यंत

चंडीगढ़। पूर्व उपमुख्यमंत्री व जेजेपी वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुष्यंत चौटाला ने प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर पार्टी उम्मीदवार उतारने का दावा किया है। दुष्यंत हिसार संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत नारनौंद में क्षेत्र निवासियों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का संपूर्ण विकास केवल जागरूक सांसद ही करवा सकता है। जेजेपी ने अपने गठन से अब तक हर क्षेत्र में जनता की आवाज को बुलंद किया है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कांग्रेस पर हमला बोला

चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे कांग्रेसी, एक-दूसरे को कर रहे आगे

- रणजीत सिंह चौटाला के समर्थन में जनसभा की
- मोदी के 400 पार के संकल्प को पूरा करने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी के लोग चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। भाजपा के हाथों हार के डर से कांग्रेस के नेता एक-दूसरे को चुनाव लड़ने के लिए आगे कर रहे हैं। हम सबको मिलकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 400 पार के संकल्प को पूरा करना है। नायब सिंह सैनी गुरुवार को यहां के सुशीला भवन में हिसार लोकसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी रणजीत सिंह चौटाला के कार्यालय उद्घाटन अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। जनसभा के पश्चात मुख्यमंत्री नायब सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी प्रत्याशी रणजीत सिंह के चुनाव कार्यालय का सनातन संस्कृति से उद्घाटन किया। सीएम ने कहा कि कांग्रेस के पास न तो कोई नीति है और न ही कोई विजन है। दूसरी तरफ भाजपा ऐसी पार्टी है, जिसके पास देश सेवा का संकल्प व विकसित भारत का संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को वर्ष 2047 तक विकसित देशों की सूची में शामिल करने का संकल्प लिया और हमें विश्वास है कि तीसरी बार मोदी सरकार बनने के बाद विकसित भारत का सपना अवश्य पूरा होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प प्रधानमंत्री मोदी जैसा ताकतवर व्यक्तित्व ही ले सकता है। भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा भी मोदी ही कर सकते हैं।

सभी सीटों पर कमल खिलाएंगे : मनोहर

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि रणजीत सिंह उनके साथ मंत्रिमंडल में सहयोगी रहे हैं और अब हमारे परिवार के सहयोगी बने हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रणजीत सिंह के साथ उन्हें भी कमल का फूल देकर करनाल के मैदान में उतारा है। वर्ष 2019 में भी प्रदेश की लोकसभा की 10 सीट नरेंद्र मोदी की झोली में डाली थी, इस बार भी सभी सीटों पर कमल खिलाएंगे।

> **मेरे भाजपा में आने से लोगों में खुशी : रणजीत**
>
> **भाजपा प्रत्याशी रणजीत सिंह ने कहा कि वे पार्टी हाईकमान के आभारी है कि उन्हें परिवार में शामिल किया और हिसार लोकसभा से टिकट दी। उन्होंने कहा कि उनका हिसार से वर्षों पुराना रिश्ता है। उनके भाजपा में आने से लोगों में खुशी है और लोग बोलते हैं कि सही पार्टी का चयन किया है।**

नड्डा से मिले कैप्टन...

हरियाणा के पूर्व वितमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कैप्टन अभिमन्यु को पार्टी की ओर से असम का प्रभारी बनाया गया है। इसके बाद कैप्टन अभिमन्यु ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की और कहा कि आलाकमान ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर वे खरा उतरेंगे।

टोल दरें बढ़ाकर सरकार ने जनता से किया विश्वासघात : सुरजेवाला

चंडीगढ़। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा है कि बढ़ती महंगाई व हर रोज हो रही पेट्रोल-डीजल पर टैक्स की लूट के बीच जनता के ऊपर हरियाणा में सभी टोल रोड पर टोल टैक्स वृद्धि के रूप में एक और मार पड़ने जा रही है। इसके कारण

हरियाणा में एक अप्रैल से सफर करना और भी महंगा हो जाएगा। एक अप्रैल से देश व प्रदेश में होने जा रही टोल दरों की वृद्धि को सरकारी लूट और जनता से वश्विासघात बताते हुए राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला और सरकार से इस टोल वृद्धि को वापिस लेकर जनता को तत्काल राहत देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि शोषक मोदी सरकार ने हरियाणा में हाईवे, एक्सप्रेस-वे, केएमपी, नारनौल-चंडीगढ़ एक्सप्रेस-वे, खेड़की दौला टोल प्लाजा, दिल्ली-पटियाला राजमार्ग पर खटकड़ टोल प्लाजा, जींद-गोहाना-सोनीपत राजमार्ग पर लूढाना टोल प्लाजा,` सहित सभी हाईवे पर एक अप्रैल से टोल दरों में 5 से 25 रुपये तक की बढ़ोतरी का फैसला किया है।

भाजपा की गुरुग्राम में हुई तीन मैराथन बैठकें

चंडीगढ़। लोकसभा चुनाव को बड़े मार्जिन से जीतने की तैयारियों में भाजपा जुटी हुई है। इसी कड़ी में बुधवार को गुरुग्राम पार्टी कार्यालय गुरुकमल में भाजपा ने एक के बाद एक तीन महत्वपूर्ण बैठकें कर लोकसभा चुनाव को बड़े मार्जिन से जीतने की रणनीति पर मंथन किया। आज की बैठक में हरियाणा चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया उपस्थित रहे। प्रभारी मिलने के बाद सतीश पूनिया की हरियाणा के भाजपा नेताओं के साथ यह पहली बैठक रही। मुख्यमंत्री नायब सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल, सह प्रभारी सुरेंद्र नागर, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक सांसद सुभाष बराला, सह संयोजक असीम गोयल, भूपेश्वर दयाल, संजय भाटिया आदि तमाम नेता इन बैठकों में शामिल हुए। बैठक में चुनाव के मद्देनजर पार्टी की ओर से आगामी अभियानों की रूपरेखा और कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी व्यापक चर्चा हुई। आला नेताओं की उपस्थिति में प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं की लोकसभा चुनाव के लिए जम्मिदारियां तय की गई। लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति और प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक में अब तक हुए कार्यों के विषय में भी बातचीत की गई और जानकारी चुनाव प्रभारी के सामने रखी गई। चुनाव प्रभारी डा. सतीश पुनिया ने अपनी इस पहली बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों से कहा कि भाजपा हरियाणा में दसों लोकसभा सीटें जीत रही है, लेकिन हमें इस जीत को ऐतिहासिक बनाना है। इसलिए सभी पदाधिकारियों को ऐतिहासिक जीत हासिल करने के लिए और अधिक मेहनत करनी है। चुनाव से संबंधित सभी विषयों पर चर्चा करते हुए चुनाव प्रभारी ने कुछ महत्वपूर्ण सुझाव अपनी तरफ से भी दिए।

- लोकसभा चुनाव को बड़े मार्जिन से जीतने की रणनीति पर मंथन

324 का रिकॉर्ड 35 साल से कायम, क्या इस बार टूटेगा?

दीपक वर्मा ▶▶| सोनीपत

खास बातें

- 10 लोस सीटों पर 1989 में चुनाव लड़े थे 324 उम्मीदवार
- महिला उम्मीदवारों का रिकॉर्ड 14 का, 2009 से कायम
- प्रदेश में सबसे कम 43 प्रत्याशी उतरे थे 1967 के चुनावों में

रिकॉर्ड बनते हैं और टूटते हैं। असल में रिकॉर्ड होते ही हैं तोड़ने के लिए। चुनावी मौसम में रिकॉर्ड भी उम्मीदवारों से लेकर मतदाताओं के जेहन में रहते हैं। ऐसा ही एक रिकॉर्ड प्रत्याशियों की संख्या से जुड़ा है। यहां बात कर रहे हैं प्रदेश में आज तक हुए लोकसभा चुनावों में सबसे अधिक प्रत्याशियों के रिकॉर्ड की, जोकि 35 साल से कायम है। 35 साल पहले 1989 में प्रदेश की 10 लोकसभा सीटों पर कुल 324 प्रत्याशी मैदान में थे। औसत निकाला जाए तो 1 लोकसभा सीट के लिए 32 प्रत्याशी होते हैं। यह रिकॉर्ड आज तक कायम है। यह वो दौर था जब मुकाबला कांग्रेस व जनता दल के बीच था। प्रदेश की 10 सीटों में से 6 जनता दल के खाते में गई जबकि बाकी 4 सीटों पर कांग्रेस ने बाजी मारी थी। 1989 के बाद 1996 में सभी 10 सीटों पर प्रत्याशियों की संख्या 300 के करीब पहुंचीं थी, लेकिन रिकॉर्ड तोड़ नहीं पाई। प्रदेश में फिलहाल लोकसभा की 10 सीटें हैं, जोकि 1977 से पहले 7 होती थी। 1977 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो उस समय पूरे प्रदेश में केवल 50 प्रत्याशी ही चुनाव मैदान में थे। इस बार लोकसभा चुनावों में भी 35 साल पुराना सबसे अधिक प्रत्याशियों का रिकॉर्ड टूटना मुश्किल है, क्योंकि मौजूदा स्थिति में भाजपा, कांग्रेस, जजपा और इनेलो प्रमुख दलों में से भाजपा और कांग्रेस ही सभी 10 सीटों पर प्रत्याशी उतार रही है। वहीं जजपा और इनेलो शायद ही सभी सीटों पर चुनाव लड़े। ऐसे में स्पष्ट है कि प्रत्याशियों की संख्या कम होगी। 2019 के लोकसभा चुनावों में महिलाओं की भागीदारी को ध्यान में रखकर बात करें तो प्रदेश की सभी 10 सीटों में कुरुक्षेत्र सबसे आगे थे। कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र से कुल 3 महिलाएं मैदान में थी। वहीं दूसरे नंबर पर 2-2 महिला प्रत्याशियों के साथ सोनीपत और भिवानी-महेंद्रगढ़ ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। वहीं हिसार और करनाल दोनों ऐसी लोकसभा सीट थी, जहां से एक भी महिला प्रत्याशी चुनाव मैदान में नहीं थी।

2019 में सोनीपत था अव्वल

2019 के लोकसभा चुनावों में किसी एक लोकसभा सीट के प्रत्याशियों के आंकड़ों पर गौर फरमाएं तो सोनीपत अव्वल मिलता है। जहां पर कुल 29 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। वहीं वहीं करनाल में सबसे कम 16 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था। इसके अलावा अम्बाला लोकसभा से 18, कुरुक्षेत्र लोकसभा से 24, सिरसा लोकसभा से 20, हिसार लोकसभा से 26, रोहतक लोकसभा से 18, भिवानी-महेंद्रगढ़ 21, गुड़गांव लोकसभा से 24 और फरीदाबाद लोकसभा से 27 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे।

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय सोनीपत।

मु.नं. 74 दिनांक 13.03.24 धारा 365 भा.द.स. थाना मुरथल जिला सोनीपत।

गुमशुदा की पहचान

नाम- सुनील
पिता का नाम- महाबीर।
पता- आर. के. कालोनी मुरथल जिला सोनीपत ।
उम्र- 16 वर्ष ।
कद- 5 फुट 2 ईंच।
हुलिया:- रंग सावंला, लम्बूतरा चेहरा, पतला शरीर, माथे पर चोट का निशान, कद 5 फुट 2 इंच, उम्र 16 वर्ष, दिमाग का सन्तुलन ठीक नहीं है।
पहनावा - गले मे काले रंग का जैकेट, कमर में काले रंग की पैन्ट व पैरों में काले रंग की चप्पल पहने हुए है।

दिनांक 02.03.24 को सुनील पुत्र महाबीर वासी आर. के. कालोनी मुरथल सोनीपत बिना किसी को कुछ बताए अपने घर से कहीं पर चला गया है। जो अब तक घर वापिस नहीं आया है। जिसका दिमागी तौर पर सतुलन ठीक नहीं है। जिस सम्बंध में मुकदमा उपरोक्त दर्ज रजिस्टर है। अगर उपरोक्त गुमशुदगी बारे किसी व्यक्ति को कोई सूचना मिले तो निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित करें।

प्रबन्धक थाना कुण्डली मो.नं.- 7419410540,
अनुसंधानकर्ता मो.नं.- 7015743031
पुलिस कन्ट्रोल रूम सोनीपत- 0130-2222903,100

हस्ता/-अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त।
मुख्यालय, सोनीपत।

पीआरडीएच-1084/11/2255/2024/26048/88/6 दि. 28.03.24

करनाल विस सीट पर उपचुनाव का फैसला कानूनी पचड़े में फंसा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा करनाल विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराने का फैसला कानूनी पचड़े में फंस गया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में इस बाबत दायर एक याचिका में कानून का हवाला देकर कहा गया है कि आयोग उपचुनाव नहीं करा सकता, क्योंकि हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल एक वर्ष से कम है। यह मामला पंचकूला निवासी रविंदर सिंह द्वारा दायर एक जनहित याचिका के मद्देनजर हाई कोर्ट के समक्ष पहुंचा है। याचिका में भारतीय चुनाव आयोग को करनाल विधानसभा क्षेत्र के लिए जारी चुनाव कार्यक्रम को रद्द करने का निर्देश देने की मांग की गई है। करनाल विधानसभा सीट 13 मार्च को हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के इस्तीफे के कारण खाली हुई थी। खट्टर ने नवगठित नायब सिंह सैनी सरकार द्वारा राज्य विधानसभा में बहुमत परीक्षण पास करने के तुरंत बाद अपना इस्तीफा दे दिया था। हरियाणा में विधानसभा के आम चुनाव इस साल अक्टूबर में होने हैं। याचिकाकर्ता द्वारा चुनाव आयोग तथा हरियाणा सरकार को दी गई याचिका की अग्रिम प्रतियों के अनुसार, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 151ए के परविधान (ए) के अवलोकन से ही पता चलता है कि यदि विधानसभा का कार्यकाल एक वर्ष से कम है तो चुनाव आयोग के पास उपचुनाव कराने का कोई अधिकार नहीं है। महाराष्ट्र के अकोला निर्वाचन क्षेत्र के संबंधित उप चुनाव बारे चुनाव आयोग ने 15 मार्च को चुनाव कार्यक्रम घोषित किया था। इस बाबत 28 मार्च को अधिसूचना जारी होनी थी और 26 अप्रैल को चुनाव होना था। चुनाव आयोग के इस फैसले को बाम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। हालांकि, बाम्बे हाई कोर्ट ने चुनाव अधिसूचना को इस आधार पर रद्द कर दिया कि विधानसभा का कार्यकाल पूरा होने में एक वर्ष से भी कम समय बचा है।

बाम्बे उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ के इस आदेश के बाद भारतीय चुनाव आयोग ने 27 मार्च को अकोला निर्वाचन क्षेत्र के संबंधित उपचुनाव को रोक दिया। कोर्ट को बताया गया कि जब विधानसभा का कार्यकाल एक वर्ष से कम हो तो कोई चुनाव नहीं हो सकता है। चूंकि बाम्बे हाई कोर्ट के फैसले का चुनाव आयोग द्वारा अनुपालन किया गया है, इसलिए यह स्पष्ट है कि वर्तमान मामले में भी यही रास्ता अपनाने की आवश्यकता थी, क्योंकि 21-करनाल के साथ-साथ 30-अकोला पश्चिम (महाराष्ट्र) में उप चुनाव कराने का निर्णय चुनाव आयोग ने एक ही आदेश में लिया था। हाई कोर्ट से मांग की गई कि वह चुनाव आयोग को करनाल उप चुनाव को रद करने का आदेश दे।

हमारे कार्यकर्ता बैरकों में नहीं जाते बल्कि फील्ड में रहते : विज

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)

पार्टी हमेशा हर चुनाव के लिए तैयार रहती है। हमारे कार्यकर्ता पूरे साल गतिविधियों में शामिल रहते हैं और कार्यकर्ता कभी बैरकों में नहीं जाते बल्कि फील्ड में रहते हैं। विज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा के बयान कि हरियाणा में सरकार रेंग रही है, के बारे में अनिल विज ने कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार चल रही है और अपने सभी दायत्वों का बखूबी निर्वहन कर रही है। अभी आचार संहिता लगी हुई है जिसमें कोई घोषणा नहीं की जा सकती।

AXIS BANK LTD.

स्वर्ण आभूषणों के रूप में गिरवीकृत परिसम्पत्तियों की ई-नीलामी हेतु सार्वजनिक सूचना

कर्जदारों को विशेषतः और आमजन को सामान्यतः एतद द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अकाउंट्स में गिरवी स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी नीचे वर्णित शाखा में ऐक्सिस बैंक द्वारा आयोजित की जानी प्रस्तावित है। नीचे वर्णित कर्जदारों ने प्रतिभूति के तहत बैंक के पक्ष में स्वर्ण आभूषणों की गिरवी (''स्वर्ण ऋण सुविधा'') के तहत ऐक्सिस बैंक लिमिटेड से क्रेडिट सुविधा का लाभ प्राप्त किया। प्राप्त की गई स्वर्ण ऋण सुविधा के तहत उनकी बकाया राशि का भुगतान करने के लिये कर्जदारों /गारंटरों का आह्वान करते हुये कर्जदारों / गारंटरों को डिमांड नोटिस जारी किये गये थे। चूंकि कर्जदारों/गारंटरों द्वारा बकाया ऋण राशि का पुनर्भुगतान करने में विफल रहने पर, बैंक गिरवी का अवलम्ब लेने के लिये और यहां नीचे सम्पत्ति की अनुसूची में विशेषतः वर्णित गिरवीकृत स्वर्ण आभूषणों की एक ई-नीलामी बिक्री 08.04.2024 **को अप.** 12.30 **बजे से अप.** 3.30 **बजे तक** ''जैसा है जहां है'', ''जैसा है जो है'', ''जो भी है वहां है'' और ''अवलम्ब नहीं आधार'' पर आयोजित करना प्रस्तावित करने के लिये बाध्य है।

कर्जदारों और बकाया राशि का विवरण

क्र. सं.	ग्राहक का नाम	ऋण अकाउंट नं.	बकाया राशि (रु. में)	वापसी सूचना की तिथि	कुल वजन	शुद्ध वजन
	बी.ओ. : बल्लभगढ़ [एचआर]					
1	जितेन्द्र शर्मा	XXXXXXXXXX1047	₹ 1,85,194.00	15-02-2024	57.260	53.130
	बी.ओ. : बटौर पीकेएल एचआर					
2	अजय राणा	XXXXXXXXXX8416	₹ 2,54,063.00	05-12-2023	67.580	66.200
	बी.ओ. : भिवानी [एचआर]					
3	विकाश	XXXXXXXXXX2811	₹ 38,178.00	09-11-2023	11.500	10.500
	बी.ओ. : बिर पिपली केयूआरयू एचआर					
4	अरूण तंवर	XXXXXXXXXX9165	₹ 3,74,970.84	25-08-2023	113.300	110.550
5	अरूण तंवर	XXXXXXXXXX6309	₹ 10,67,514.00	25-08-2023	293.800	282.720
	बी.ओ. : चण्डीगढ़ [सीएच]					
6	काजल कुमारी	XXXXXXXXXX0105	₹ 51,887.00	20-11-2023	16.800	16.100
	बी.ओ. : चीका [एचआर]					
7	संजू	XXXXXXXXXX4491	₹ 1,16,854.00	29-09-2023	34.600	34.100
	बी.ओ. : ऐलनाबाद ईएलएल एचआर					
8	राम लाल	XXXXXXXXXX4660	₹ 40,257.00	10-10-2023	13.300	11.800
	बी.ओ. : जय सिंह पुरा केएआरएन एचआर					
9	शेर सिंह	XXXXXXXXXX9263	₹ 1,14,369.00	20-11-2023	36.200	31.250
10	मनदीप कौर	XXXXXXXXXX5997	₹ 1,16,069.00	20-11-2023	35.280	32.280
	बी.ओ. : जाखल [एचआर]					
11	अमृत पाल कौशल	XXXXXXXXXX1358	₹ 44,272.00	10-10-2023	11.700	11.300
	बी.ओ. : झज्जर [एचआर]					
12	अमित	XXXXXXXXXX9770	₹ 79,819.00	29-09-2023	21.700	21.100
13	संजय यादव	XXXXXXXXXX2681	₹ 2,74,294.00	29-09-2023	77.200	75.000
	बी.ओ. : जीन्द [एचआर]					
14	अमन	XXXXXXXXXX3040	₹ 35,099.00	25-08-2023	9.100	9.000
	बी.ओ. : मघरपुरा एएमबी एचआर					
15	बिल्ला राम	XXXXXXXXXX0105	₹ 49,605.13	29-09-2023	12.000	11.800
	बी.ओ. : महेन्द्रगढ़ एचआर					
16	पंकज कुमार	XXXXXXXXXX6425	₹ 2,93,308.00	25-10-2023	82.850	76.650
	बी.ओ. : मण्डी डबवाली एसएसए एचआर					
17	बलतेज सिंह	XXXXXXXXXX9891	₹ 1,10,313.52	20-11-2023	35.900	35.000
	बी.ओ. : मटक माजरी केएआरएन एचआर					
18	राजेश कुमार	XXXXXXXXXX0780	₹ 47,440.00	29-09-2023	13.780	13.610
19	राजबीर पुत्र बाबू राम	XXXXXXXXXX8942	₹ 74,310.00	25-08-2023	18.800	18.750
	बी.ओ. : मॉडल टाउन पानी पीपीटी एचआर					
20	विकास कुमार	XXXXXXXXXX8014	₹ 1,15,928.00	20-11-2023	29.500	29.000
	बी.ओ. : पलवल [एचआर]					
21	जमशेद	XXXXXXXXXX1445	₹ 1,19,223.17	10-10-2023	36.800	33.400
	बी.ओ. : पंजलाशा एएमबी एचआर					
22	सुश्री राज बाला	XXXXXXXXXX0991	₹ 77,647.00	20-11-2023	22.150	20.000
	बी.ओ. : पट्टी अफगान केआईटी एचआर					
23	महिन्द्रो देवी	XXXXXXXXXX8149	₹ 69,477.00	10-10-2023	20.400	19.400
	बी.ओ. : रेवाड़ी [एचआर]					
24	विजय कुमार	XXXXXXXXXX5755	₹ 91,094.00	10-10-2023	26.000	24.400
25	संदीप कुमार	XXXXXXXXXX1446	₹ 2,48,987.00	20-11-2023	81.800	75.800
	बी.ओ. : समालखा एचआर					
26	रीनु देवी	XXXXXXXXXX6704	₹ 90,774.00	20-11-2023	23.250	23.000
	बी.ओ. : सिरसा [एचआर]					
27	संजय कुमार	XXXXXXXXXX2112	₹ 31,700.00	29-09-2023	10.000	9.500
28	रोशनी	XXXXXXXXXX1235	₹ 43,969.00	29-09-2023	10.900	10.500
	बी.ओ. : तरावड़ी एचआर					
29	पुष्पा	XXXXXXXXXX6151	₹ 52,930.00	29-09-2023	14.590	14.300
30	बेबी	XXXXXXXXXX1081	₹ 67,331.66	20-11-2023	21.680	21.680
	बी.ओ. : टिब्बी माजरा पीकेएल एचआर					
31	अनुज चौहान	XXXXXXXXXX7811	₹ 57,432.00	30-05-2023	15.970	15.700
	बी.ओ. : उचाना जेआईएन एचआर					
32	नीलम	XXXXXXXXXX2048	₹ 58,374.00	25-08-2023	16.220	15.800

ऐक्सिस बैंक लि. कोई पूर्व सूचना दिये बिना अकाउंट को हटाने / नीलामी तिथि परिवर्तित करने का अधिकार रखता है। नीलामी **अप.** 12.30 **बजे से अप.** 3.30 **बजे** के बीच ऑनलाइन HTTPS://GOLD.SAMIL.IN आयोजित की जाएगी।
विस्तृत नियम व शर्तों हेतु, कृपया दी गई वेबसाइट HTTPS://GOLD.SAMIL.IN को लॉग इन करें।

स्थान : हरियाणा, दिनांक : 29.03.2024 हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, ऐक्सिस बैंक लि.

खिसकती राजनीतिक जमीन बचाने की कवायद

गैर अहीर को टिकट के पक्षधर बने कप्तान

- पूर्व मंत्री खुद चुनाव नहीं लड़ने की कर चुके घोषणा

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

कै. अजय यादव

आफताब अहमद

जितेंद्र भारद्वाज

महेंद्र छाबड़ा

गत लोकसभा चुनावों में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में लगभग 4.95 लाख वोट लेकर 'सम्मानजनक' हार का सामना कर चुके पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव के लिए इस सीट पर अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती हुई नजर आने लगी है। पार्टी के दूसरे सीनियर नेताओं से मिली उपेक्षा के चलते पहले चुनाव मैदान छोड़ने और बाद में तैयार होने की बात कहने वाले कैप्टन अब इस सीट पर खुद तो चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं हैं, परंतु वह किसी अहीर प्रत्याशी को इस सीट पर टिकट के पक्षधर नहीं हैं। इसके लिए वह पार्टी हाईकमान के सामने अपनी बात रख चुके हैं। कैप्टन अजय यादव अहीरवाल क्षेत्र में राव इंद्रजीत सिंह के बाद दूसरे कद्दावर नेता हैं। इस समय उनके राजनीतिक सितारे गर्दिश में नजर आ रहे हैं। कांग्रेस की गुटबाजी से कैप्टन ने खुद को अलग रखने का पूरा प्रयास किया है, लेकिन पूर्व में किए गए विरोध को पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा भुला नहीं पाए हैं। इस समय पार्टी में हुड्डा खेमा मजबूत स्थिति में नजर आ रहा है। प्रदेशाध्यक्ष चौ. उदयभान उनकी मर्जी के बिना कोई कदम नहीं उठाते, तो प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया भी हुड्डा खेमे को पूरी तव्वजो दे रहे हैं। हुड्डा के प्रभाव के चलते ही पार्टी ने इस बार लोकसभा टिकट के लिए आवेदन की शर्त रख डाली थी। इसी के साथ वरिष्ठ नेता होने के बावजूद कैप्टन को चुनाव समिति से दूर रखा गया। कैप्टन ने नाराजगी जताते हुए पहले आवेदन से इनकार किया। बाद में उन्होंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। कैप्टन को शायद इस बात का भरोसा था कि शीर्ष नेतृत्व की ओर से उन्हें मनाने के प्रयास किए जाएंगे, परंतु उनकी यह मंशा पूरी नहीं हो सकी। हुड्डा के खास माने जाने वाले राव दानसिंह ने गुरूग्राम से चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू की थी। उन्होंने टिकट पर दावा भी जताया हुआ है, परंतु कैप्टन को दानसिंह की दावेदारी रास नहीं आ रही है। वह दानसिंह के बेटे पर लगे करोड़ों रुपये के गोलमाल के आरोपों को लेकर दानसिंह पर खुलकर निशाना साध चुके हैं।

अहीर प्रत्याशी बनाते ही भविष्य का खतरा

कांग्रेस अगर इस सीट पर कैप्टन की जगह किसी और अहीर नेता को टिकट थमा देती है, तो भविष्य में इस सीट पर कैप्टन का दावा कमजोर पड़ जाएगा। गुरूग्राम से बढ़कर उनके लिए दूसरी कोई सुरक्षित सीट नहीं है। सूत्र बताते हैं कि इसी बात को लेकर कैप्टन अजय सिंह यादव पार्टी हाईकमान से इस सीट पर किसी गैर अहीर को टिकट देने की फरियाद लगा चुके हैं, ताकि आने वाले समय यह सीट उनके लिए सुरक्षित बनी रहे। इसके लिए उन्होंने राजबब्बर के नाम की पैरवी तक की है, लेकिन उन्हें टिकट देने की संभावना कम है।

गैर अहीर नेता को टिकट की संभावना

वरिष्ठ होने के नाते अगर पार्टी हाईकमान कैप्टन अजय सिंह यादव के अनुरोध पर विचार करता है, तो किसी गैर अहीर नेता को इस सीट पर प्रत्याशी बनाया जा सकता है। गैर अहीर नेताओं में जितेंद्र भारद्वाज ब्राह्मण नेता के रूप में मौजूद हैं। महेंद्र छाबड़ा पंजाबी नेता के रूप में टिकट की मांग कर चुके हैं। आफताब अहमद मुस्लिम नेता के रूप में टिकट के दावेदार हैं। कैप्टन अजय सिंह ने 'हरिभूमि' से बातचीत में स्पष्ट किया कि पार्टी जिसे भी टिकट देगी, वह उसका खुलकर साथ देने के लिए तैयार हैं।

किसान आंदोलन में दर्ज केस में पेश होने का मामला

नोटिस को लेकर किसानों व पुलिस में तीखी नोक झोंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

एक बार फिर वीरवार को किसान व पुलिस के जवान उलझ गए। इस दौरान किसानों की पुलिस जवानों के साथ तीखी नोक झोंक हुई। किसानों का आरोप है कि पुलिस सरकार के इशारे पर उन्हें दबाने का प्रयास कर रही है। दरअसल संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) एवं किसान-मजदूर मोर्चा के आह्वान पर जिले में युवा किसान शुभकरण की अस्थि कलश यात्रा पहुंचने वाली है। शुक्रवार को अस्थि कलश यात्रा नारायणगढ़ एरिया में पहुंचेगी। इसी सिलसिले में किसान गांव रछेड़ी में कलश यात्रा का प्रचार-प्रसार करने पहुंचे। यहां किसानों के पीछे पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने कुछ किसानों को नोटिस देकर उन्हें थाने में पेश होने के आदेश दिए।

अंबाला। किसानों से उलझते पुलिस के जवान।

अंबाला। किसानों को नोटिस देने पहुंची टीम। फोटो : हरिभूमि

पुलिस कार्रवाई पर किसान बोले-वे पीछे नहीं हटेंगे और न ही झुकेंगे

पुलिस की कार्रवाई के दौरान किसान उखड़ गए। किसानों ने कहा कि वे पीछे नहीं हटेंगे और न ही झुकेंगे। किसानों का आरोप है कि पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए पहुंची थी। 31 मार्च को अंबाला कैंट की मोहड़ा अनाज मंडी में शुभकरण सिंह की श्रद्धांजलि सभा होनी है। इस कार्यक्रम में किसानों को रोकने के लिए पुलिस उन्हें नोटिस देने का प्रयास कर रही है। पुलिस की ओर से भारतीय किसान यूनियन शहीद भगत सिंह के अध्यक्ष अमरजीत सिंह मोहड़ी, तेजबीर सिंह व मनजीत सिंह समेत अन्य किसानों को पुलिस ने नोटिस जारी करते हुए हिदायत दी है कि किसान आंदोलन के दर्ज हुए मुकदमे में पूछताछ के लिए शामिल हो। नोटिस में लिखा गया कि पहले भी आपको पूछताछ के लिए नोटिस दिया गया था, लेकिन आप समय पर हाजिर नहीं हुए। सीआईए टू की तरफ से जारी नोटिस में किसानों को 29 मार्च को सुबह 10 बजे जांच में शामिल होने के लिए निर्देश दिए। किसान-मजदूर मोर्चा के नेता अमरजीत सिंह मोहड़ी ने कहा कि किसान शांतिप्रिय ढंग से प्रदेश में युवा किसान शुभकरण की अस्थि कलश यात्रा निकाल रहे हैं लेकिन सरकार उनके ऊपर गलत तरीके से दबाव बना रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि सरकार दहशत न फैलाए, फिर कहेंगे कि किसान सड़कों पर उतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 31 मार्च को श्रद्धांजलि समागम होगा।

ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय एमएसएमई महोत्सव का भव्य शुभारंभ

उद्यमियों का देश के विकास में अहम योगदानः बंडारू दत्तात्रेय

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने गुरुवार को फरीदाबाद में ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय एमएसएमई महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि उद्यमियों का देश के विकास में अहम योगदान है। फरीदाबाद इंडस्ट्रीज को भारत के साथ साथ विश्व में पहचान बनाने के लिए सभी उद्यमी भागीदार बनें। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और अन्य मेहमानों ने प्रज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया। दत्तात्रेय ने उपस्थित लघु उद्यमियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक शिल्पकार से लेकर शहरी क्षेत्र में मौजूद स्टार्ट अप, स्मार्ट सोल्यूशन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग तक आते हैं।

यह रहे मौजूदः महोत्सव में प्रोफेसर जगदीश मुखी, डा. एनसी वाधवा, आईएस (सेवानिवृत), श्याम सुंदर कपूर, राष्ट्रीय अध्यक्ष, एआईएफओएम, श्री अनिल कुमार चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव, एआईएफओएम सहित अन्य उपस्थित रहे।

मेवातः दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर हादसे में चार लोगों की मौत

नूंह। नूंह जिले के झिमरावट गांव के पास दिल्ली - मुंबई एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार ईको स्पोर्ट्स कार डिवाइडर से टकरा गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। मृतक एक ही परिवार के रहने वाले हैं। एक ही परिवार के सात लोग ईकोस्पॉट गाड़ी में सवार होकर मेरठ से उज्जैन जा रहे थे। जैसे ही वह मेवात के झिमरावट गांव के पास पहुंचे तो दिल्ली- मुंबई एक्सप्रेसवे पर गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। गाड़ी डिवाइडर से टकराने के बाद कई बार पलटी खाई। सूचना पाकर पिनगवां पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया व मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए अल आफिया हॉस्पिटल में मोर्चरी में रखवाया।

- कार डिवाइडर से टकराकर कई पलटी खाई
- सभी मृतक एक ही परिवार के

सरसों खरीद का जायजा लेने सांपला पहुंचे हेफेड चेयरमैन

सरकार सरसों, गेहूं का एक-एक दाना खरीदने को वचनबद्धः कैलाश भगत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सांपला

हेफेड के चेयरमैन कैलाश भगत बृहस्पतिवार को सरसों की खरीद का जायजा लेने के लिए सांपला अनाज मंडी पहुंचे। उन्होंने किसानों व आढ़तियों की समस्याएं सुनी। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों का सरसों गेहूं का एक-एक दाना खरीदने के लिए वचनबद्ध है।

सांपला। मंडी में सरसों खरीद का जायजा लेते चेयरमैन कैलाश भगत।

खरीद के मामले में किसानों को किसी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी। साथ में किसानों को सुझाव दिया कि यह अपनी फसल को साफ व सुखाकर लेकर ही मंडी में पहुंचे ताकि उनकी फसल को खरीदने में किसी प्रकार की समस्या ना हो। उन्होंने कहा कि सरसों व गेहूं दोनों फसलें सरकारी रेट पर खरीदी जाएंगी। फसल बिक्री के बाद जल्द से जल्द पैसा उनके खाते में पहुंचेगा। चेयरमैन ने कहा सभी मंडियों का निरीक्षण किया जाएगा ताकि किसान व आढ़तियों को कोई समस्या न हो। आढ़तियों ने चेयरमैन से फसल तुलवाई के लिए मंडी में काटा लगाने की मांग की। मार्केट कमेटी सचिव दीपक कुमार, हैफेड के डीएम अनूप नैन, मंडी एसोसिएशन के प्रधान अशोक बंसल, प्रवीण कुमार, राजेश कुमार, जग्गी के अलावा अन्य स्टाफ भी उपस्थित था।

हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो की कार्रवाई

एचकेआरएनएल क्लर्क पचास हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने गुरुग्राम जिला में नगर निगम गुरुग्राम कार्यालय में हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड (एचकेआरएनएल) के अंतर्गत कार्यरत क्लर्क दीपक को 50000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। इस मामले में एक अन्य आरोपी जेडटीओ समीर की भी संलिप्तता के चलते उसकी गिरफ्तारी की गई है। आरोप है कि जेडटीओ द्वारा क्लर्क दीपक के माध्यम से एक लाख रुपये की रिश्वत की मांग की जा रही थी जिसमें से 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए आरोपी दीपक को एसीबी की टीम में रंगे हाथों गिरफ्तार किया। हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम को सूचना मिली थी कि आरोपी दीपक (क्लर्क) तथा समीर जोनल टैक्सेशन ऑफिसर अर्थात जेडटीओ हाउस टैक्स कम करने के बदले में 100000 की रिश्वत की मांग की जा रही है। एसीबी की टीम ने आरोपित दीपक को 50000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

- अन्य आरोपी जेडटीओ की भी एसीबी ने की गिरफ्तारी

सीनियर सेकेंडरी परीक्षा में नकल के नौ केस दर्ज

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित करवाई जा रही सीनियर सैकेण्डरी ;शैक्षिक व मुक्त विद्यालय की समाजशास्त्र व उद्यमशीलता विषयों की परीक्षा में आज प्रदेशभर में नकल के कुल 09 मामले दर्ज किए गए। गुरुवार को 540 केंद्रों पर संचालित हुई सीनियर सेकेंडरी ;शैक्षिक व मुक्त विद्यालयद्ध समाजशास्त्र व उद्यमशीलता विषयों की परीक्षा में 14306 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुए। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. वीपी यादव ने बताया कि उनके स्वयं के उडनदस्ते द्वारा भिवानी के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। बोर्ड सचिव के उड़नदस्ते द्वारा भिवानी व चरखी दादरी के विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण किया गया, जहां परीक्षा केन्द्र बी एस इन्टरनेशनल स्कूल, सांगा पर अनुचित साधन के 9 मामले दर्ज किए तथा केन्द्र पर कार्यरत पर्यवेक्षक मनीषा व आरती के कक्ष में दो से अधिक अनुचित साधन के केस दर्ज होने व परीक्षा ड्यूटी में लापरवाही बरतने के कारण उन्हें परीक्षा ड्यूटी से कार्यभार मुक्त कर दिया गया। परीक्षा केंद्र रावमावि, पैंतावास कलां, चरखी.दादरी पर कार्यरत पर्यवेक्षक रमेश कुमार, डीपीई, राकवमावि सांवड़ व सुमन, पीजीटी गणित, रावमावि, कलियाना को ड्यूटी में कोताही पर कार्यभार मुक्त कर दिया गया।

- परीक्षा ड्यूटी में कोताही बरतने पर चार पर्यवेक्षक रिलीव

साइबर शिकायत निवारण करने में देश में पहले पायदान पर हरियाणा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

साइबर फ्रॉड की गई कुल राशि का 27.60 प्रतिशत पैसा होल्ड करके हरियाणा देश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। हरियाणा पुलिस ने फरवरी 2024 में 15 करोड़ 50 लाख की राशि को ठगी होने से बचाया है जोकि देशभर में सबसे अधिक है। सितंबर-2023 में जहां हरियाणा पुलिस 8.62 प्रतिशत पैसा होल्ड करते हुए देश में 23वें स्थान पर थी वहीं अब पहले स्थान पर पहुंच गई है। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बताया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ निरंतर किए जा रहे कार्यों के परिणामस्वरूप साइबर अपराध को नियंत्रित करने में काफी मदद मिली है। पुलिस वित्तीय संस्थानों जैसे बैंकों आदि के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते हुए साइबर अपराध रोकने की दिशा में सार्थक प्रयास कर रही है ताकि साइबर फ्रॉड की पर ही खातों को फ्रीज़ किया जा सके।

- फरवरी में फ्रॉड की गई कुल राशि का 27.60 प्रतिशत पैसा किया गया होल्ड

साइबर हेल्पलाइन नंबर पर तैनात कर्मियों की संख्या 35 से 70 की

साइबर हेल्पलाइन नंबर पर तैनात पुलिसकर्मियों की संख्या 35 से बढ़ाकर 70 की गई है। इंडियन साइबर क्राइम कोर्डिनेशन सेंटर(आई4सी) तथा हरियाणा पुलिस अब एक प्लेटफॉर्म पर काम कर रही है। देश भर के 20 बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर साइबर फ्रॉड की गई राशि को फ्रीज करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना के तहत कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही, हरियाणा पुलिस के साथ तीन बड़े बैंकों एचडीएफसी, पीएनबी तथा एक्सिस के प्रतिनिधि हरियाणा-112 के कार्यालय में स्थापित किए गए केंद्र में साइबर फ्रॉड रोकने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

कुरुक्षेत्र: अफीम के पौधे उगाने का आरोपी गिरफ्तार

पिहोवा। जिला पुलिस ने नशीला पदार्थ रखने के आरोपी शीशा सिंह पुत्र प्रीतम सिंह वासी गुमथला गढ़ू जिला कुरुक्षेत्र को काबू करके उसके कब्जे से करीब 1.5 लाख कीमत के 29.6 किग्रा वजनी 606 अफीम के पौधे बरामद किए हैं। सूचना पर पुलिस टीम गुमथला गढ़ू में शीशा सिंह के बाड़ा में पहुंची जहां पर काफी संख्या में अफीम के पौधे खड़े मिले। राजपत्रित अधिकारी के सामने पुलिस टीम द्वारा शीशा सिंह (पुत्र प्रीतम सिंह वासी गुमथला गढ़ू कुरुक्षेत्र)के बाड़े से 606 अफीम के पौधे जिनका वजन 29.6 किलो बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ थाना सदर पेहवा में नशीला वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके अपराध अन्वेषण शाखा-2 के उप निरीक्षक ऋषिपाल ने आरोपी शीशा सिंह को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट ने कारागार भेज दिया।

कोटा कॅरियर सिटी या सुसाइड सिटी...?

वर्तमान में युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति सिर्फ एक शहर या देश की ही नहीं वरन वैश्विक चुनौती है। स्कूल, कॉलेज से लेकर कॅरियर बना चुके युवा तक सुसाइड कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आत्महत्या की प्रवृत्ति भावनात्मक एवं मानसिक मनोविकार है और इसे समझने की जरूरत है।

आत्महत्या : राष्ट्रीय स्तर पर कोटा की स्थिति ?

- देश में कुल आत्महत्याएं 170924 हुई, जिनमें सर्वाधिक 30 वर्ष तक के 69313 (करीब 40 प्रतिशत से अधिक) युवा हैं।
- देश में 10 लाख से अधिक आबादी के 53 शहरों में प्रति लाख आत्महत्या का औसत 16.4 व्यक्ति है।
- विजयवाड़ा में यह दर सर्वाधिक 42.6 है। टॉप-10 शहरों में यह औसत दर 28 से 42 व्यक्ति प्रति लाख तक है। टॉप 53 शहरों में कोटा 45वें नम्बर पर आता है। कोटा में यह दर 14.1 व्यक्ति प्रति लाख है जो राष्ट्रीय औसत से भी कम है। 10 लाख की आबादी के शहर कोटा में 2 लाख कोचिंग स्टूडेंट्स की संख्या को जोड़ने पर यह दर और भी कम हो जाती है।

– (स्रोतः एनसीआरबी ताजा रिपोर्ट)

फिर कोटा ही क्यों सुसाइड सिटी ?

किसी भी छात्र द्वारा उठाया गया गलत कदम दुखदायी होता है। कोटा इनको लेकर पूरी तरह से सजग है और इसके लिए गंभीरता से कार्य भी कर रहा है। दुःख की बात यह है कि इस अति संवेदनशील विषय को व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने का माध्यम बनाया जा रहा है। निहित स्वार्थों के लिए कोटा की छवि को बारम्बार खराब किया जा रहा है। जब कोटा देश में होने वाली आत्महत्याओं के मामलों में टॉप-53 शहरों में 45वें नम्बर पर है तो फिर कोटा ही कैसे सुसाइड सिटी है?

वास्तविकता में कोटा क्या है ?

एक ऐसा शहर जो युवाओं के सपने पूरे कर रहा है, बड़े शहरों से लेकर छोटे गांव-कस्बे के परिवारों की प्रतिभाओं को एक समान वातावरण देकर आईआईटी और मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई के लिए तैयार कर रहा है। यहां पढ़कर एक मजदूर का बेटा भी गूगल में तो वेल्डर का बेटा माइक्रोसॉफ्ट तक पहुंच रहा है। कुली का बेटा डाक्टर बन रहा है, तो नरेगा मजदूर का बेटा आईआईटी में पहुंच रहा है। आज कोटा कोचिंग से सर्वाधिक स्टूडेंट्स इंजीनियरिंग व मेडिकल कॉलेज में जा रहे हैं। कोटा कॅरियर के साथ-साथ केयर सिटी भी है, जिसने लॉकडाउन के दौरान यहां रह रहे 50 हजार स्टूडेंट्स की अच्छे से केयर की और उन्हें स्वस्थ व सुरक्षित घर भी भेजा। कोटा के इस इवेक्वेशन ड्राइव व केयरिंग को देश-दुनिया में सराहना मिली।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र जी मोदी ने भी कोटा को शिक्षा की काशी कहा है।

अब दुष्प्रचार कर कोटा की छवि को खराब किया जा रहा है।

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर कोटा के प्रयास

- 10 लाख की आबादी वाले शहरों से तुलना करें तो सबसे अधिक अनुभवी साइकोलॉजिकल काउंसलर्स कोटा में हैं।
- प्रशासन, पुलिस व कोचिंग संस्थानों द्वारा छात्रों की काउंसलिंग हेतु 24x7 हेल्पलाइन संचालित है।
- कोटा देश में संभवतः एकमात्र शहर है जहां स्टूडेंट्स mental wellbeing के लिए विशेष केन्द्र स्थापित है। यहां साइकोलॉजिकल काउंसलर्स एवं क्लीनिकल काउंसलर्स मौजूद रहते हैं।
- मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए कोटा में नियमित योगा सेशन होते हैं।
- स्टूडेंट्स के व्यवहार को समझने व उनकी केयरिंग बेहतर करने के लिए आमजन को जोड़ते हुए देश में सबसे ज्यादा QPR गेटकीपर ट्रेनिंग (WHO से प्रमाणित) कोटा में दी गई।
- कोटा देश में एकमात्र शहर है जहां पेरेन्ट्स की भी काउंसलिंग की जाती है, उन्हें अपने बच्चों के व्यवहार में बदलाव को समझने और उसके अनुरूप व्यवहार के लिए मार्गदर्शन दिया जाता है।
- कोटा में स्टूडेंट्स वेलफेयर सोसायटी व कई संस्थाएं मिलकर छात्रों को घर जैसा माहौल व केयरिंग देने के लिए समर्पित रूप से कार्यरत है।
- कोटा में एक दर्जन से अधिक तरह से स्टूडेंट्स की काउंसलिंग की जाती है।
- कोटा कोचिंग में स्टूडेंट सपोर्ट के लिए डेडिकेटेड मेंटर सिस्टम है, हर छात्र की केयरिंग के लिए मेंटर होते हैं।
- यहां पर देश के ख्यातनाम विषय विशेषज्ञों व वक्ताओं के प्रेरक उद्बोधन होते हैं।
- हॉस्टल व पीजी में स्टूडेंट्स की सुविधा, सुरक्षा और समन्वय के लिए संसाधन और जीवनरक्षा उपकरण लगे होते हैं।

देश के 10 लाख से अधिक आबादी के टॉप-53 शहरों में होने वाली कुल आत्महत्याओं के आकंड़ों में कोटा 45वें नम्बर पर है।

Ranking	City	Total No. of Suicides	Actual Population (in Lakh)	Rate of Suicides (Per Lakh)
1	DELHI (CITY)	3367	163.2	20.6
2	BENGALURU	2313	85	27.2
3	CHENNAI	1581	87	18.2
4	MUMBAI	1501	184.1	8.2
5	SURAT	1004	45.9	21.9
6	PUNE	1003	50.5	19.9
7	AHMEDABAD	928	63.5	14.6
8	NAGPUR	771	25	30.8
9	INDORE	746	21.7	34.4
10	VIJAYAWADA	634	14.9	42.6
45	KOTA	141	10	14.1

स्रोतः एनसीआरबी ताजा रिपोर्ट

देश के 10 लाख से अधिक आबादी के टॉप-53 शहरों में होने वाली कुल आत्महत्याओं की सुसाइड रेट में कोटा 37वें नम्बर पर है।

Ranking	City	Total No. of Suicides	Actual Population (in Lakh)	Rate of Suicides (Per Lakh)
1	VIJAYAWADA	634	14.9	42.6
2	KOLLAM	472	11.1	42.5
3	RAJKOT	550	13.9	39.6
4	ASANSOL	468	12.4	37.7
5	DURG BHILAINAGAR	378	10.6	35.7
6	INDORE	746	21.7	34.4
7	RAIPUR	379	11.2	33.8
8	NAGPUR	771	25	30.8
9	AURANGABAD	358	11.9	30.1
10	BHOPAL	527	18.8	28.0
37	KOTA	141	10	14.1

स्रोतः एनसीआरबी ताजा रिपोर्ट

गत 6 वर्ष में 69058 स्टूडेंट्स ने आत्महत्या की है। देश में आत्महत्या की दर सर्वाधिक युवाओं में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग में है। लैंसेट रिपोर्ट में आत्महत्याओं के बारे में दी गई जानकारी।

भारत में छात्र आत्महत्याएँ

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में 13,044, 2021 में 13,089, 2020 में 12526, 2019 में 10335, 2018 में 10159, 2017 में 9905 छात्रों की आत्महत्या के कारण मृत्यु हो गई। 2021 में महाराष्ट्र में छात्रों की आत्महत्या की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई, जिसमें 1,834 मौतें दर्ज की गईं, इसके बाद मध्य प्रदेश में 1,308 और तमिलनाडु में 1,246 मौतें हुईं।[10]

लैंसेट के एक अध्ययन में कहा गया है कि भारत में आत्महत्या से मृत्यु दर दुनिया में सबसे अधिक है और वयस्क आत्महत्या से होने वाली मौतों का एक बड़ा हिस्सा 15 से 29 वर्ष की आयु के बीच होता है।

IIT-AIIMS सहित उच्च शिक्षण संस्थानों में भी पिछले पांच वर्षों में 103 (अप्रेल-2023 तक) आत्महत्याएं हुई हैं। इस संबंध में पूछे गए सवाल पर लोकसभा में दिया गया सरकार का जवाब।

ANNEXURE

ANNEXURE REFERRED TO IN PART (a) to (l) OF THE REPLY TO THE LOK SABHA STARRED QUESTION NO. 456 TO BE ANSWERED ON 03/04/2023 REGARDING "INCREASE IN SUICIDE CASES IN EDUCATIONAL INSTITUTIONS" ASKED BY SHRI BENNY BEHANAN AND SHRI RAJMOHAN UNNITHAN, HON'BLE MEMBERS OF PARLIAMENT

1. Details of institutes/ universities where student suicides have been reported

S. No.	Institutes/ Universities	Number of students who committed suicide during the last five years and the current year					
		2018	2019	2020	2021	2022	2023
1.	IITs	8	8	3	4	9	3
2.	IIMs	1	0	1	1	1	0
3.	NITs	3	8	1	2	7	3
4.	AIIMS	2	0	4	2	3	0
5.	CUs	6	4	4	1	5	9
	Total	20	20	13	10	25	15

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश के पांच बड़े राज्यों में 49.3 प्रतिशत सुसाइड होते हैं। इनमें राजस्थान नहीं है।

Number and Percentage Share of Suicides in States/UTs

The State/UT and City wise information on the incidents of suicides, its percentage share in total suicides and rate of suicides during the year are presented in **Table-2.2.**

Majority of suicides were reported in Maharashtra (22,746) followed by 19,834 suicides in Tamil Nadu, 15,386 suicides in Madhya Pradesh, 13,606 suicides in Karnataka and 12,669 suicides in West Bengal accounting for 13.3%, 11.6%, 9.0%, 8.0% and 7.4% of total suicides respectively. These 5 States together accounted for 49.3% of the total suicides reported in the country. The remaining 50.7% suicides were reported

सिर्फ एक सवाल

इन सब तथ्यों के बावजूद क्या आपको लगता है कोटा सुसाइड सिटी है...

एक बार जरूर सोचें

जनहित में जारी-कोटा स्टूडेंट्स वेलफेयर सोसायटी

'समृद्धि' 75, न्यू ग्रेन मंडी, कोटा-324007

घरेलू व विदेशी निवेशक रहे खरीदार

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'घरेलू शेयर बाजार चालू वित्त वर्ष के अंतिम कारोबारी दिवस में बढ़त और उम्मीद के साथ बंद हुआ। हालांकि, कारोबार समाप्ति से पहले कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन खुदरा, घरेलू संस्थागत और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की चौतरफा लिवाली से बाजार में बढ़त कायम रही।'

वैश्विक बाजार के सकारात्मक रुख से रही चौतरफा खरीदी

वित्त वर्ष के अंतिम कारोबारी दिन सेंसेक्स 655 अंक चढ़ा, निफ्टी भी मजबूत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को चालू वित्त वर्ष (2023-24) के अंतिम कारोबारी दिन जोरदार तेजी आई और बीएसई सेंसेक्स 655 अंक चढ़ गया। वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच चौतरफा लिवाली से बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी रही।

कारोबारियों के अनुसार, रुपये की विनिमय दर में गिरावट से धारणा प्रभावित होने के बावजूद बिजली, वाहन और धातु शेयरों में मांग मजबूत रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 655.04 अंक की बढ़त के साथ 73,651.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,194 अंक तक चढ़ गया था। निफ्टी भी 203.25 अंक चढ़कर 22,326.90 अंक पर बंद हुआ।

साप्ताहिक आधार पर निफ्टी में 230 अंक की रही बढ़त

साप्ताहिक आधार पर बीएसई सेंसेक्स 819.41 अंक यानी 1.12 प्रतिशत मजबूत हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 230.15 अंक यानी 1.04 प्रतिशत के लाभ में रहा। वित्त वर्ष 2023-24 में बीएसई सेंसेक्स 14,659.83 अंक यानी 24.85 प्रतिशत मजबूत हुआ। वहीं निफ्टी 4,967.15 अंक यानी 28.61 प्रतिशत चढ़ा।

मिड कैप को लेकर चिंता कायम

नायर ने कहा, 'घरेलू अर्थव्यवस्था के अनुमान को बढ़ाये जाने से 2024-25 में घरेलू शेयर बाजार के लिए एक उत्साहजनक परिदृश्य है। हालांकि, मझोले आकार की कंपनियों के शेयरों के अधिक मूल्यांकन के कारण बड़ी कंपनियों के शेयरों पर जोर से अल्पकाल से लेकर मध्यम अवधि में बाजार को लेकर चिंता बनी हुई है।'

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फिनसर्व सबसे ज्यादा करीब चार प्रतिशत चढ़ा। बजाज फाइनेंस में भी अच्छी तेजी रही। इसके अलावा नेस्ले, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो तथा महिंद्रा एंड महिंद्रा भी प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं।

आज बाजार रहेगा बंद

एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में जबकि जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में ज्यादातर में तेजी का रुख है। अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट बुधवार को बढ़त में रहा था। शेयर बाजार शुक्रवार को 'गुड फ्राइडे' के मौके पर बंद रहेगा।

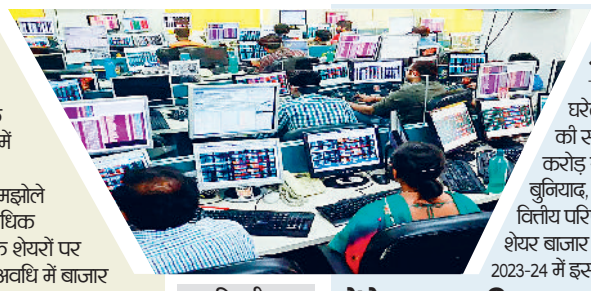

- बिजली, वाहन और धातु शेयरों में मांग मजबूत रही
- कारोबार के दौरान एक समय बाजार 1194 अंक चढ़ गया था
- साप्ताहिक आधार पर बीएसई और निफ्टी लाभ में रहे

वित्त वर्ष में निवेशकों की संपत्ति 128.77 लाख करोड़ बढ़ी

घरेलू शेयर बाजार में तेजी के साथ निवेशकों की संपत्ति चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 128.77 लाख करोड़ रुपये बढ़ी है। अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद, पूंजी प्रवाह बढ़ने तथा कंपनियों के बेहतर वित्तीय परिणाम से बाजार को समर्थन मिला। घरेलू शेयर बाजार का प्रदर्शन 2022-23 में हल्का रहा था। वहीं 2023-24 में इसमें उल्लेखनीय सुधार आया है।

सेंसेक्स 25 प्रतिशत हुआ मजबूत

वित्त वर्ष 2023-24 में बीएसई सेंसेक्स 14,659.83 अंक यानी 24.85 प्रतिशत मजबूत हुआ। वहीं निफ्टी 4,967.15 अंक यानी 28.61 प्रतिशत चढ़ा। सात मार्च को मानक सूचकांक...सेंसेक्स रिकॉर्ड 74,245.17 के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। इसके साथ, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2023-24 में 1,28,77,203.77 करोड़ रुपये बढ़कर 3,86,97,099.77 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

बाजार ने दिखाई मजबूती : *स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के प्रबंध निदेशक सुनील न्याति ने कहा, मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं, बढ़ती ब्याज दर और आसन्न वैश्विक मंदी की आशंकाओं के बीच देश के शेयर बाजार ने पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में उल्लेखनीय मजबूती दिखायी। यहां तक कि वैश्विक स्तर पर जारी राजनीतिक तनाव के कारण भी उत्पन्न झटके कुछ समय के लिए थे।*

बाजार पूंजीकरण 394 लाख करोड़ तक पहुंची : *इस साल दो मार्च को बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 394 लाख करोड़ रुपये के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को चालू वित्त वर्ष के अंतिम कारोबारी दिन 655.04 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73,651.35 अंक पर बंद हुआ।*

अदाणी, अंबानी में पहली बार गठजोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उद्योगपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने प्रतिद्वंद्वी कारोबारी गौतम अडाणी की कंपनी अदाणी पावर की मध्य प्रदेश में एक बिजली परियोजना में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है।

- रिलायंस ने अदाणी पावर में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

यह पहला मौका है जबकि दो प्रतिद्वंद्वी अरबपति उद्योगपतियों के बीच किसी तरह का गठजोड़ हुआ है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने संयंत्र की 500 मेगावाट बिजली का खुद इस्तेमाल (कैप्टिव यूज) करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों कंपनियों ने शेयर बाजार को अलग-अलग दी सूचना में कहा कि रिलायंस, अडाणी पावर लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी महान एनर्जेन लिमिटेड में 10 रुपये अंकित मूल्य (50 करोड़ रुपये) के पांच करोड़ इक्विटी शेयर खरीदेगी और निजी उपयोग के लिए 500 मेगावाट उत्पादन क्षमता का उपयोग करेगी। गुजरात के इन दोनों उद्योगपतियों को अक्सर मीडिया और समालोचकों द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा किया जाता रहा है। हालांकि, दोनों उद्योगपति एशिया के सबसे अमीर लोगों की सूची के शीर्ष दो पायदानों तक पहुंचने के लिए वर्षों से एक-दूसरे के इर्द-गिर्द घूम रहे हैं।

अदाणी 2030 तक होगा सबसे बड़ा ऊर्जा उत्पादक

अदाणी समूह 2030 तक दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक बनने की आकांक्षा रखता है, जबकि रिलायंस गुजरात के जामनगर में चार गीगाफैक्टरी का निर्माण कर रही है। इनमें प्रत्येक फैक्टरी सौर पैनल, बैटरी, हरित हाइड्रोजन और ईंधन सेल के लिए है।

सोना 350 रुपये मजबूत चांदी में 200 रुपये का लाभ

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने का भाव 350 रुपये की तेजी के साथ 67,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। सोने की कीमतों में लगातार दूसरे दिन तेजी जारी रही। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

चांदी की कीमत भी 200 रुपये की तेजी के साथ 77,450 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में यह 77,250 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

कोर्ट नोटिस

न्यायालय सहायक कलेक्टर द्वितीय श्रेणी, तहसीलदार, कलानौर, जिला रोहतक।

विषयः इंतकाल नंबर 11783 गाँव कलानौर खुर्द तहसील कलानौर जिला रोहतक जो विश्वेदार श्री प्रवीन कुमार जैन पुत्र श्री अग्र चन्द जैन निवासी 279/5 सिविल रोड जैन मंदिर सराय मोहल्ला रोहतक तहसील व जिला रोहतक जोकि दिनांक 08-07-2015 से लापता होने पर मुताबिक कानून यह मानकर श्री प्रवीन कुमार जैन पुत्र श्री अग्रचन्द जैन मजकुर का स्वर्गवास हो चूका है इसके वारसान श्रीमति मंजू जैन पत्नी प्रवीन कुमार व वैभव जैन पुत्र श्री प्रवीन कुमार व विदुषी-विभूति पुत्रियां श्री प्रवीन कुमार निवासीगण निवासी 279/5 सिविल रोड जैन मंदिर सराय मोहल्ला रोहतक तहसील व जिला रोहतक के हक में दर्ज हुआ है। उपरोक्त इंतकाल विश्वेदार कलानौर खुर्द तहसील कलानौर जिला रोहतक श्री प्रवीन कुमार पुत्र श्री अग्र चन्द जैन निवासी 279/5 सिविल रोड जैन मंदिर सराय मोहल्ला रोहतक तहसील व जिला रोहतक की दिनांक 08-07-2015 से लापता होने बारे उनके उत्तराधिकारी व विश्वेदार के गाँव के नम्बरदार श्री अमृत सिंह द्वारा अंकित की गई रपट रोजनामचा वाकायती नंबर 00062 दिनांक 05-03-2024 के अनुसार मुताबिक कानून यह मानकर कि श्री प्रवीन कुमार जैन का स्वर्गवास हो चुका है उसके उत्तराधिकारी का विवरण इस विज्ञापन में अंकित विषय के हक में दर्ज रजिस्टर्ड हुआ है। यह इंतकाल इस न्यायलय में विचाराधीन है। इस विज्ञापन के द्वारा आम जनता व विश्वेदार श्री प्रवीन कुमार जैन पुत्र श्री अग्रचन्द जैन की विरासत में किसी भी प्रकार का हित व क्लेम रखने वाले व्यक्ति को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को इस इतकाल कि मंजूरी बाबत कोई ऐतराज हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर अन्दर असालतन व वकालतन इस न्यायलय में उपस्थित हो कर अपन्ना ऐतराज प्रस्तुत करे अन्यथा बाद गुजरी मियाद 30 दिन इस इंतकाल का निर्णय गुण दोष के आधार पर कर दिया जाएगा।

हस्ता/-
सहायक कलेक्टर द्वितीय श्रेणी, कलानौर

जियो फाइनेंशियल की अनुषंगी ने किया निवेशः नई दिल्ली। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की अनुषंगी कंपनी जियो लीजिंग सर्विसेज और उसके नामांकित व्यक्तियों ने नवगठित रिलायंस इंटरनेशनल लीजिंग आईएफएससी लिमिटेड (आरआईएलआईएल) में 2.50 करोड़ रुपये का शुरुआती निवेश किया है।

फरवरी के अंत तक राजकोषीय घाटा सालाना लक्ष्य के 86.5 प्रतिशत पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार का राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष (2023-24) में फरवरी के अंत तक संशोधित लक्ष्य का 86.5 प्रतिशत या 15 लाख करोड़ रुपये रहा है। बृहस्पतिवार को लेखा महानियंत्रक (सीजीए) द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में राजकोषीय घाटा यानी व्यय और राजस्व का अंतर बजट 2022-23 के संशोधित अनुमान (आरई) का 82.8 प्रतिशत रहा था। चालू वित्त वर्ष (2023-24) में राजकोषीय घाटा 17.35 लाख करोड़ रुपये या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। सीजीए द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, फरवरी, 2024 तक सरकार की कुल प्राप्तियां 22.45 लाख करोड़ रुपये रही हैं। इनमें 18.49 लाख करोड़ रुपये का कर राजस्व (शुद्ध), 3.6 लाख करोड़ रुपये का गैर-कर राजस्व और 36,140 करोड़ रुपये की गैर कर्ज पूंजी प्राप्तियां हैं। फरवरी, 2024 तक सरकार की कुल प्राप्तियां 2023-24 के कुल संशोधित अनुमान का 81.5 प्रतिशत हैं। गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियों में 23,480 करोड़ रुपये के ऋण की वसूली और 12,660 करोड़ रुपये की विविध पूंजी प्राप्तियां शामिल हैं। फरवरी, 2024 तक भारत सरकार द्वारा करों के हिस्से के हस्तांतरण के रूप में 10,33,433 करोड़ रुपये राज्य सरकारों को हस्तांतरित किए गए हैं। जो कि पिछले साल के 2,25,345 करोड़ रुपये से अधिक है। केंद्र द्वारा किया गया कुल खर्च 37.47 लाख करोड़ रुपये रहा है।

चेन्नई रिफाइनरी के विस्तार की लागत 3600 करोड़ बढ़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह चेन्नई में 90 लाख टन क्षमता की रिफाइनरी बनाने वाले संयुक्त उद्यम में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 75 प्रतिशत करेगी। परियोजना की लागत 12 प्रतिशत से अधिक बढ़ने के बाद कंपनी ने यह बात कही है। मूल रूप से, आईओसी और उसकी अनुषंगी कंपनी चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (सीपीसीएल) को संयुक्त उद्यम में 25-25 प्रतिशत हिस्सेदारी रखनी थी। संयुक्त उद्यम को सीपीसीएल की मौजूदा रिफाइनरी के निकट एक नई इकाई का निर्माण करना था। शेष 50 प्रतिशत इक्विटी

वित्तीय निवेशकों से आनी थी। आईओसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने बृहस्पतिवार को बैठक में परियोजना की लागत को 29,361 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 33,023 करोड़ रुपये करने की मंजूरी दे दी। लागत 3,662 करोड़ रुपये यानी 12.5 प्रतिशत बढ़ गयी है। सूचना में कहा गया है।

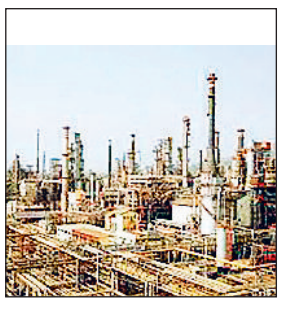

रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ 83.39 प्रति डॉलर

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और प्रमुख प्रतिद्वन्द्वियों मुद्राओं की तुलना में डॉलर के मजबूत होने के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ 83.39 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

हरिभूमि **क्लासीफाइड** विज्ञापन

ज्योतिष

इंडिया के नं 1 तांत्रिक
गुरु भवानी जी
खुला चैलेंज 2 घंटो में घर बैठे
फोन पर गारंटिड लाभ

7 इल्मों के माहिर
आपके विश्वास का एक ही नाम
21 सालों से एक ही स्थान पर
स्पे. महावशीकरण, मुठकरनी
लवमैरिज, मनचाहा प्यार, वशीकरण ग्रहक्लेश, जादू-टोना, शादी कारोबार रुकावट, रुठे मनाना, किया-कराया पति-पत्नी अनबन, सौतन-दुश्मन छुटकारा, कोर्ट कचहरी आदि
9988289203

ज्योतिष

समस्या बताएं तुरंत समाधान पाये
नौकरी, व्यापार, मनचाहा प्यार, शादी, ग्रहकलेश, पति पत्नी में अनबन, सौतन-दुश्मनो से छुटकारा, मुकदमा रूठो को मनाना, तलाक में बाधा, बनते-बनते काम बिगड़ जाना, लव मैरिज आदि
दीपक शास्त्री
E-13, आर्य समाज रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली-59
8586896357

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) शंकर बंसल पुत्र ऋषिकेश बंसल निवासी 707/12 एवं 7/212, वार्ड नं. 28, रामबक्श कॉलोनी, रोहतक रोड, जिंद, हरियाणा, (2) दीपक बंसल पुत्र ऋषिकेश बंसल निवासी 7/212, वार्ड नं. 28, रामबक्श कॉलोनी, रोहतक रोड, जिंद, हरियाणा** ने एफआईआर नं. **43/16 अन्तर्गत धारा 498ए/406/34 आईपीसी के तहत् थाना केशव पुरम, ज़िला उत्तर-पश्चिम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) शंकर बंसल, (2) दीपक बंसल** मिल नहीं रहा(रही) है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) शंकर बंसल, (2) दीपक बंसल** फरार हो गया(गई) है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा(रही) है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर नं. **43/16 अन्तर्गत धारा 498ए/406/34 आईपीसी के तहत् थाना केशव पुरम, ज़िला उत्तर-पश्चिम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **(1) शंकर बंसल, (2) दीपक बंसल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.04.2024** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री प्रीति राजोरिया
महानगर दण्डाधिकारी (महिला कोर्ट-02)
(उ.प.), कमरा नं. 18, भूतल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/3447/NW/2024
(Court Matter)

आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में धीमी पड़कर 6.7 प्रतिशत पर

नई दिल्ली (भाषा)। उर्वरक जैसे क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन की वजह से आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में सालाना आधार पर कुछ सुस्त पड़कर 6.7 प्रतिशत रही। हालांकि, बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर इस साल जनवरी के मुकाबले अधिक है। बृहस्पतिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, आठ प्रमुख क्षेत्रों... कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली... की वृद्धि दर जनवरी में 4.1 प्रतिशत थी। बीते वर्ष फरवरी में यह 7.4 प्रतिशत थी।कुल मिलाकर इन क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-फरवरी में घटकर 7.7 प्रतिशत रही, जो बीते वित्त वर्ष 2022-23 में अप्रैल-फरवरी में 8.2 प्रतिशत थी। उर्वरक उत्पादन में वृद्धि में गिरावट आई है। देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में आठ प्रमुख क्षेत्रों का योगदान 40.27 प्रतिशत है।

राशिफल

मेष — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। परिवार का साथ मिलेगा। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष — मन परेशान रहेगा। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि भी हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन — मन अशान्त हो सकता है। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कुटुम्ब परिवार में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क — मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। तरक्की के अवसर भी मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में किसी दूसरे स्थान पर जाना हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। मानसिक शान्ति बनाये रखने के लिए प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्चों में वृद्धि होगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में पदोन्नति के साथ परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में बदलाव भी हो सकता है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान भी हो सकता है। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मकर — जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। नौकरी में स्थान परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं।

कुंभ — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

मीन — मन प्रसन्न रहेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

अदाणी समूह ने अंबुजा सीमेंट्स में 6661 करोड़ किया निवेश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अदाणी समूह ने बृहस्पतिवार को अंबुजा सीमेंट्स में 6,661 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की।

इससे देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी में उसकी हिस्सेदारी 3.6 प्रतिशत बढ़कर 66.7 प्रतिशत हो गई है। अंबुजा सीमेंट्स के निदेशक मंडल ने 21.20 करोड़ वारंट को 314.15 रुपए प्रति शेयर की दर से प्रवर्तक इकाई हरमोनिया ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट के शेयरों में बदलने की मंजूरी दे दी है।

निवेश अदाणी समूह के सीमेंट व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण होगा, जिसकी 2028 तक अपनी क्षमता 14 करोड़ टन प्रति वर्ष तक बढ़ाने की योजना है।

कंपनी ने आवंटित किए परिवर्तनीय वारंट

कंपनी ने बयान में कहा, 'इससे अदाणी परिवार की कंपनी में हिस्सेदारी 3.6 प्रतिशत बढ़कर कुल 66.7 प्रतिशत हो गई है।' अंबुजा सीमेंट्स ने 18 अक्टूबर 2022 को कंपनी के प्रवर्तक समूह के सदस्य हरमोनिया को 104.72 रुपये प्रति वारंट की प्रारंभिक सदस्यता राशि पर 47.74 करोड़ परिवर्तनीय वारंट आवंटित किए, जो 418.87 रुपये के निर्गम मूल्य का 25 प्रतिशत है।

समूह की कच्छ कॉपर इकाई में उत्पादन शुरू : उद्योगपति गौतम अदाणी नीत समूह ने गुजरात के मुंद्रा में दुनिया के सबसे बड़े एकल-स्थान तांबा विनिर्माण संयंत्र का पहला चरण शुरू करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। ग्रीनफील्ड कॉपर रिफाइनरी के पहले चरण का (लागत 1.2 अरब डॉलर में) परिचालन शुरू किया गया।'

प्रति वर्ष पांच लाख टन तांब का उत्पादन होगा : सुविधा के पहले चरण का संचालन शुरू हो गया है। इसमें प्रति वर्ष पांच लाख टन परिष्कृत तांबे का उत्पादन होगा। 2029 (मार्च 2029) तक इसके पूरी तरह चालू होने पर 10 लाख टन तांबे का उत्पादन करने की उम्मीद है। भारत, चीन और अन्य देशों की सूची में शामिल हो गया है जो तेजी से तांबे का उत्पादन बढ़ा रहे हैं।

परिचालन में सुधार आएगा :

अधिकारी ने कहा, हमारे हितधारकों के लिए दीर्घकालिक टिकाऊ मूल्य सृजन प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है। यह हमें अपने विकास में तेजी लाने तथा परिचालन में सुधार जारी रखने आदि के वास्ते नए मानक स्थापित करने के लिए प्रेरित करेगा।'

तेजी से विकास करने में मदद मिलेगी

अंबुजा सीमेंट्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय कपूर ने कहा कि यह निवेश 'तेजी से विकास, पूंजी प्रबंधन पहल आदि' हासिल करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, यह न केवल हमारे दृष्टिकोण तथा व्यवसाय मॉडल में दृढ़ विश्वास का प्रमाण है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr. P.C देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त व्यक्ति **अजमेर उर्फ काला** पुत्र ओम प्रकाश निवासी : गांव कन्हेली, तहसील और जिला रोहतक, हरियाणा ने **सीसी संख्या 13569 / 2018 धारा 138 एनआई एक्ट** थाना कंझावला, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अजमेर उर्फ काला** मिल नहीं रहा है और समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि **अजमेर उर्फ काला** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा करते हुए अभियुक्त **अजमेर उर्फ काला** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष या (मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 08.05.2024** को या उसके पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री आयुष शर्मा
मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (उत्तर-पश्चिम)
कमरा नं. 113, प्रथम तल,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/3546/RD/2024
(Court Notice)

शब्द पहेली - 5465

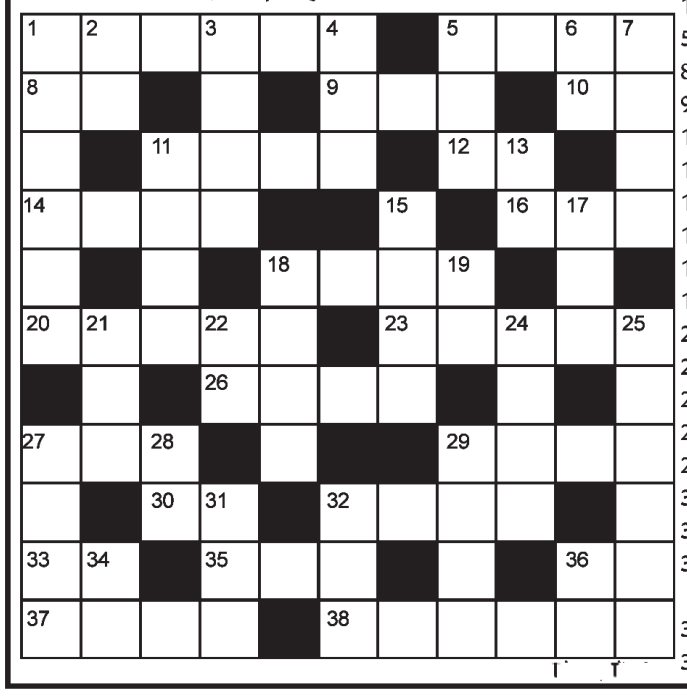

बाएँ से दाएँ
1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे
1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली- 5464 का हल

ह	ल	च	ल		टा		द	वा	खा	ना
	क्ष्य		व		ल	क	वा		र	ज
ज			कु	सु	म		त			नी
ब	द	मा	श		टो	ना		सौ	त	न
र		हि		फा	ल		प्रा		न	
न	ग	र	वा	सी		ग	ण	ना	य	क
	र		द		मा	ली		पा		ल
अ	ल	ग		म	न		चौ	की	दा	र
प			चि		सि	स	की			व
रा	ज		क	न	क		दा		मे	
ध	ड़	क	न		ता		री	मा	ला	गू

सूडोकु नवताल- 5476

✱✱✱✱✱ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल- 5475 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

आईपीएल

सीजन में लगातार 9वां मैच जीती राजस्थान

रियान पराग की फिफ्टी, दिल्ली को 12 रन से दी मात

रियान की आक्रामक पारी से रॉयल्स ने दिल्ली को हराया

भाषा ▶▶| जयपुर

रियान पराग की नाबाद 84 रन की ताबड़तोड़ पारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में गुरुवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। असम के 22 साल के रियान ने 45 गेंद की पारी में सात चौके और तीन छक्के लगा कर आईपीएल में अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। उनकी ताबड़तोड़ पारी से टीम ने आखिरी सात ओवर में 92 रन जोड़े। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 185 रन बनाने के बाद दिल्ली की पारी को पांच विकेट पर 173 रन पर रोक दिया। मौजूदा आईपीएल सत्र में यह नौ मैचों में घरेलू टीम की नौवीं जीत है। राजस्थान के लिए यह दो मैचों में दूसरी जीत है जबकि दिल्ली की यह लगातार दूसरी हार है। दिल्ली के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने 23 गेंद में दो चौके और तीन छक्के की मदद से नाबाद 44 रन बनाये जबकि डेविड वॉर्नर ने 34 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से 49 रन बनाये। वार्नर ने अपना 100वां आईपीएल मैच खेल रहे कप्तान ऋषभ पंत के साथ तीसरे विकेट के लिए 46 गेंद में 67 रन की साझेदारी की जबकि स्टब्स ने अक्षर के साथ 27 गेंद में 51 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को मैच में बनाये रखा था। राजस्थान के

लिए नांद्रे बर्गर ने और युजवेंद्र चहल ने दो-दो विकेट लिये लेकिन आवेश खान ने आखिरी ओवर में 17 रन का बचाव करते हुए स्टब्स और अक्षर (नाबाद 15) के सामने सिर्फ चार रन खर्च किये। राजस्थान की टीम आठ ओवर के बाद 38 रन पर तीन विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी लेकिन मैन ऑफ द मैच रियान ने रविचंद्रन अश्विन (19 गेंद में 29 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 37 गेंद में 54 और पांचवें विकेट के लिए ध्रुव जुरेल (12 गेंद में 20 रन) के साथ 23 गेंद में 52 रन की आक्रामक साझेदारी कर मैच में टीम की वापसी करायी। उन्होंने शिमरोन हेटमायर (सात गेंद में नाबाद 14 रन) के साथ 16 गेंद में 43 रन की अटूट साझेदारी के दौरान आखिरी ओवर में एनरिच नोर्किया के खिलाफ तीन चौके और दो छक्के लगाकर 25 रन बटोरे। दिल्ली कैपिटल्स के पांचों गेंदबाजों को एक-एक सफलता मिली। खलील अहमद ने 24 और अक्षर पटेल ने 21 रन दिये तो वही कुलदीप यादव ने 41, नोर्किया ने 48 और मुकेश कुमार ने 49 रन लुटाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए मिचेल मार्श ने नांद्रे बर्गर के खिलाफ तीन और ट्रेंट बोल्ट के खिलाफ दो चौके जड़ दिल्ली को आक्रामक शुरूआत दिलायी। बर्गर ने पारी के चौथे ओवर में तीन गेंद के अंदर मार्श और रिकी भुई को आउट कर राजस्थान को दोहरी सफलता दिलायी। अब तक संभल कर बल्लेबाजी कर रहे वार्नर ने पांचवें ओवर में बोल्ट के खिलाफ दो और छठे ओवर में बर्गर के खिलाफ एक छक्का जड़ा जिससे पावर प्ले में दिल्ली कैपिटल्स ने दो विकेट पर 59 रन बना लिये। वार्नर ने आठवें ओवर में आवेश खान का स्वागत लगातार दो चौके से किया। पंत ने 10वें ओवर में युजवेंद्र चहल के खिलाफ अपना पहला छक्का जड़ा। संदीप शर्मा ने 11वें ओवर में सिर्फ चार रन देकर दिल्ली पर दबाव बनाया जिसका फायदा अगले ओवर में आवेश खान को वार्नर के विकेट के रूप में मिला। संदीप ने शॉर्ट थर्ड मैन पर डाइव लगाकर शानदार कैच लपका। चहल ने 14वें ओवर की पहली गेंद पर पंत की 26 गेंद में 28 रन की पारी को खत्म करने के बाद 16वें ओवर में अभिषेक पोरेल (10 गेंद में नौ रन) को चलता किया। अश्विन की गेंद पर बोल्ट ने स्टब्स के आसान कैच को छोड़ा और इस बल्लेबाज ने लगातार दो छक्के लगाकर इसका जश्न मनाया और मैच में दिल्ली की वापसी करायी। दिल्ली को आखिरी दो ओवर में जीत के लिए 32 रन की जरूरत थी और स्टब्स ने संदीप के खिलाफ 19वें ओवर में छक्का और चौका लगाकर मैच का रोमांच बनाये रखा।

राजस्थान रॉयल्स

यशस्वी जायसवाल बो मुकेश कुमार	05
जोस बटलर पगबाधा कुलदीप	11
संजू सैमसन का पंत बो खलील	15
रियान पराग नाबाद	84
रविचंद्रन अश्विन का स्टब्स बो अक्षर	29
ध्रुव जुरेल बो नोर्किया	20
शिमरोन हेटमायर नाबाद	14
अतिरिक्त:	07
कुल योग: (20 ओवर में पांच विकेट पर)	185 रन

विकेट पतन: 1-9, 2-30 , 3-36 , 4-90, 5-142
गेंदबाजी: खलील 4-0-24-1, मुकेश 4-0-49-1, नोर्किया 4-0-48-1, अक्षर 4-0-21-1, कुलदीप 4-0-41-1

दिल्ली कैपिटल्स पारी

डेविड वार्नर का संदीप बो आवेश	49
मिचेल मार्श बो बर्गर	23
रिकी भुई का सैमसन बो बर्गर	00
ऋषभ पंत का सैमसन बो चहल	28
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	44
अभिषेक पोरेल का बटलर बो चहल	09
अक्षर पटेल नाबाद	15
अतिरिक्त:	05
कुल योग: (20 ओवर में पांच विकेट पर	173 रन)

विकेट पतन: 1-30, 2-30, 3-97, 4-105, 5-122
गेंदबाजी: बोल्ट 3-0-29-0, बर्गर 3-0-29-2, अश्विन 3-0-30-0, आवेश 4-0-29-1, चहल 3-0-19-2, संदीप 4-0-36-0

खास खबर

पंड्या दो मैच में बने 'हीरो से जीरो' सवालों के घेरे में मुंबई के कप्तान

एजेंसी ▶▶| मुंबई

हार्दिक पंड्या जिन्होंने बतौर कप्तान गुजरात टाइटंस को खिताबी जीत दिलाई और अगले सीजन में फाइनल तक पहुंचा दिया। इस स्तर की कप्तानी के बाद उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरी। नतीजन उन्हें आईपीएल 2024 में मुंबई ने गुजरात के साथ बड़ी रकम में ट्रेड किया। इसके बाद 5 बार टीम को खिताबी जीत दिलाने वाले रोहित शर्मा को दरकिनार कर उन्हें टीम की कमान सौंप दी। लेकिन आईपीएल 2024 के शुरुआती दो मुकाबलों में ही हार्दिक हीरो से जीरो साबित हुए हैं। आईपीएल 2024 में मुंबई ने अपने अभियान की शुरुआत गुजरात के खिलाफ मुकाबले से की। यह मुकाबला कुछ समय तक मुंबई की पकड़ में था, लेकिन अंत में हार्दिक पंड्या बल्ले से फेल नजर आए। जिसके बाद टीम को महज 6 रन से हार का सामना करना पड़ा। हार्दिक पांड्या ने इस मुकाबले में गेंदबाजी में बड़ी मिस्टेक की। बुमराह पारी की शुरुआत और डेथ ओवर्स में माहिर हैं। हार्दिक ने कोइट्जे, बुमराह और ल्यूक वुड जैसे गेंदबाजों के बावजूद खुद पहले गेंदबाजी की। उन्होंने अपने शुरुआती दो ओवर्स में ही 25 रन लुटा दिए थे। जिसके चलते टीम दबाव में नजर आई। हालांकि, बाद में बुमराह ने अपनी गेंदबाजी से फंदा कसा था।

हैदराबाद से मिली करारी हार

मुंबई ने दूसरा मुकाबला 27 मार्च को मुंबई के खिलाफ खेला। यहां भी हार्दिक से बेहद खराब कप्तानी देखने को मिली। इस मुकाबले में हार्दिक ने बुमराह को नजरअंदाज किया। उन्होंने युवा क्वेन मफाका से गेंदबाजी की शुरुआत की। इसके बाद खुद बॉलिंग करने आए। हार्दिक ने इस बार भी अपने पहले ही ओवर में 11 रन लुटा दिए। पॉवर प्ले के बीच में हार्दिक ने जसप्रीत बुमराह जैसे ब्रह्मास्त्र का प्रयोग सिर्फ एक ओवर में किया। बाकी गेंदबाजों के मुताबिक बुमराह काफी किफायती साबित हुए।

बल्ले से भी हुए फेल

गेंदबाजी में बड़ी गलतियां करने का नतीजा एक रिकॉर्डतोड़ लक्ष्य से देखने को मिला। हैदराबाद ने रिकॉर्ड 277 रन स्कोरबोर्ड पर टांग दिए। मुंबई की तरफ से रोहित शर्मा और ईशान किशन ने टीम को जबरदस्त शुरुआत दी। इसके बाद तिलक वर्मा भी अपनी फुल फॉर्म में नजर आए। लेकिन हार्दिक पंड्या के आते ही मुंबई के हाथ से मैच फिसलता नजर आया। नतीजन टीम को 31 रन से हार का सामना करना पड़ा।

खबर संक्षेप

खुलकर खेलने के संदेश ने कमाल किया : शर्मा

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा है कि मुंबई के खिलाफ रिकॉर्डतोड़ बल्लेबाजी प्रदर्शन के पीछे टीम प्रबंधन का खुलकर खेलने का संदेश था। सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने रिकॉर्ड की झड़ी लगाते हुए मुंबई के खिलाफ आईपीएल का सर्वोच्च स्कोर तीन विकेट पर 277 रन बनाक 31 रन से जीत दर्ज की। शर्मा ने 23 गेंद में 63 रन बना। शर्मा ने कहा, 'मुझे अहसास ही नहीं हुआ कि यह सनराइजर्स के लिए सबसे तेज अर्धशतक था। मैं सिर्फ खुलकर खेलना चाहता था और आउट होने के बाद ही मुझे यह पता चला। मुझे काफी मजा आया।'

मुफ्त पढ़ाई के लिए खेल से जुड़ा : बर्गर

जयपुर। दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर कभी क्रिकेटर बनना नहीं चाहते थे बल्कि मुफ्त पढ़ाई के लिए उन्होंने खेल को चुना। उन्हें 2014 में

क्रिकेट ट्रायल के जरिए विटवाटर्सरेंड यूनिवर्सिटी में दाखिला और पूरी स्कॉलरशिप मिली। उसके बाद से उन्होंने मुड़कर नहीं देखा। दक्षिण अफ्रीका के 28 वर्ष के तेज गेंदबाज बर्गर ने पिछले साल दिसंबर में राष्ट्रीय टीम में पदार्पण किया। राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 50 लाख रुपए में खरीदा जबकि उन्होंने पिछले महीने एसए20 में भी जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स के लिए खेला था।

सूर्यकुमार को फिट होने में लगेगा समय

नई दिल्ली। निया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी से पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं और आईपीएल के कुछ और मैचों में नहीं खेल पाएंगे। राष्ट्रीय क्रिकेट

अकादमी उनकी प्रगति पर नजर रखे हुए है। मुंबई इंडियन्स के लिए खेलने वाले सूर्यकुमार मौजूदा सत्र में अब तक कोई मैच नहीं खेल पाए हैं और उनकी टीम को दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सूत्र ने कहा, 'सूर्या काफी अच्छी प्रगति कर रहा है और काफी जल्द मुंबई इंडियन्स की ओर से वापसी करेगा।'

मेनन लगातार 5वें साल आईसीसी एलीट पैनल के अंपायर बने रहेंगे

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत के नितिन मेनन लगातार पांचवीं बार अंपायरों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद एलीट पैनल में शामिल हुए जबकि बांग्लादेश के शरफुद्दौला इब्ने शाहिद इस सूची में जगह बनाने वाले अपने देश के पहले अंपायर बने। इंदौर के मेनन 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान में एलीट पैनल में शामिल हुए थे।

वह गुरुवार को 2024-25 सत्र के लिए जारी आईसीसी की 12-सदस्यीय अंपायरों की सूची में एकमात्र भारतीय बने हुए हैं। एस रवि और पूर्व स्पिनर एस वेंकटराघवन के बाद एलीट

पैनल का हिस्सा बनने वाले वह केवल तीसरे भारतीय हैं। रवि ने 33 जबकि वेंकटराघवन ने 73 टेस्ट में मैदानी अंपायर की भूमिका निभाई हैं। मेनन 23 टेस्ट, 58 वनडे और 41 टी20 (कुल मिलाकर 122 मैच) में मैदानी अंपायर रहे हैं। उम्मीद है कि वह अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप के दौरान वेंकटराघवन के 125 मैचों में अंपायरिंग करने के भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे। मेनन ने पिछले साल एशेज में अंपायरिंग करने का अपना सपना भी साकार किया था।

अधिकारियों की पैनल

एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल मैच रेफरी डेविड बून (ऑस्ट्रेलिया), जेफ क्रो (न्यूजीलैंड), रंजन मदुगले (श्रीलंका), एंड्रयू पायक्रॉफ्ट (जिम्बाब्वे), रिची रिचर्डसन (वेस्टइंडीज), जवागल श्रीनाथ (भारत)। एमिरेट्स आईसीसी एलीट अंपायर पैनल: कुमार धर्मसेना (श्रीलंका), क्रिस्टोफर गैफनी (न्यूजीलैंड), माइकल गफ (इंग्लैंड), एड्रियन होल्डस्टॉक (दक्षिण अफ्रीका), रिचर्ड इलिंगवर्थ (इंग्लैंड), रिचर्ड केटलबोरो (इंग्लैंड), नितिन मेनन (भारत)), अहसान रजा (पाकिस्तान), पॉल रीफेल (ऑस्ट्रेलिया), शरफद्दौला इब्ने शाहिद (बांग्लादेश), रॉड टकर (ऑस्ट्रेलिया), जोएल विल्सन (वेस्टइंडीज)।

जीत दर्ज करने उतरेंगे आरसीबी और केकेआर

बेंगलुरु। पिछले मैच में मिली जीत से उनका हौसला बढ़ा है लेकिन प्रदर्शन में परिपक्वता लाना बाकी है और शुक्रवार को आईपीएल 2024 के मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर तथा कोलकाता नाइट राइडर्स अपेक्षा के अनुरुप खेल दिखाने के

इरादे से उतरेंगी। आरसीबी ने पिछले मैच में पंजाब किंग्स को चार विकेट से हराया जबकि केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार रन से मात दी। इसके बावजूद दोनों टीमों की शीर्ष और मध्यक्रम की बल्लेबाजी की समस्याएं बनी हुई हैं। पंजाब के खिलाफ 177 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के अर्धशतक से आरसीबी खेमे ने राहत की सांस ली होगी। कप्तान फाफ डु प्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरन ग्रीन और रजत पाटीदार से अभी अच्छी पारी की उम्मीद है। पंजाब के खिलाफ आखिरी क्षणों में दिनेश कार्तिक का अनुभव और 'इंपैक्ट खिलाड़ी' महिपाल लोमरोर की उपयोगी पारी उनके काम आई।केकेआर के पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है और एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करने पर वे आरसीबी के बल्लेबाजों की परेशानी का सबब बन सकते हैं।

आईजीयू को पूर्ण समर्थन देगा आर एंड ए

गुरुग्राम। भारतीय गोल्फ के बढ़ते स्तर और इसकी अपार संभावनाओं की खेल की संचालन संस्था 'आर एंड ए' ने सराहना की है जिन्होंने इसे और अधिक आकर्षक और सुलभ बनाकर खेल से जुड़ी धारणा में सुधार करने के महत्व पर जोर दिया। 'आर एंड ए' के पश्चिम एशिया और भारत के विकास प्रबंधक नील ग्राहम और क्षेत्रीय निदेशक (एशिया-प्रशांत) विकास जिरोम एनजी सेमिनार में हिस्सा लेने और देश में भविष्य की विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा के लिए भारत में हैं। ग्राहम ने कहा, 'देश के आकार को देखते हुए भारत में बहुत सारे अवसर हैं। हमारा मानना है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम गोल्फ के विकास के लिए भारतीय गोल्फ यूनियन की पहल और कार्यक्रमों में उसका समर्थन करें। यह केवल उच्च प्रदर्शन के बारे में नहीं है, यह जमीनी स्तर से लेकर ऊपर तक देखना है।'

सिंधू ने मैड्रिड स्पेन मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

भारत की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू ने मैड्रिड स्पेन मास्टर्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को यहां चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन पर सीधे गेम में आसान जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस मुकाबले में पूरी तरह से सिंधू का दबदबा दिखा जिन्हें विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज ताइवान की क्वालीफायर खिलाड़ी से कोई चुनौती नहीं मिली।

पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने 36 मिनट तक चले मैच को 21-14, 21-12 से अपने नाम किया। पिछले सत्र की उपविजेता सिंधू के सामने

अब थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त सुपानिदा केटथोंग या जापान की नात्सुकी निदाइरा में से किसी एक की चुनौती होगी। पिछले दो सप्ताह में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप और स्विस ओपन में खिताब जीतने वाली शीर्ष वरीयता प्राप्त स्पेन की कैरोलिना मारिन के टूर्नामेंट से हटने के बाद सिंधू इस प्रतियोगिता में चैंपियन बनने की मजबूत दावेदार हैं। सिंधू ने बीडब्लूएफ टूर पर अपना पिछला खिताब 2022 सिंगापुर ओपन सुपर 500 में जीता था।

नीरज चोपड़ा 10 मई को करेंगे सत्र का आगाज

नई दिल्ली। मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 10 मई को दिग्गज खिलाड़ियों के बीच प्रतिष्ठित डायमंड लीग सीरीज के दोहा चरण में अपने सत्र की शुरुआत करेंगे। छब्बीस साल के चोपड़ा ने पिछले सत्र का समापन चीन के हांगझोउ में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक के साथ किया था। इस साल उनका लक्ष्य पेरिस में अपने ओलंपिक स्वर्ण का बचाव करने का होगा। चोपड़ा के अलावा भारतीय खिलाड़ी किशोर जेना भी कतर की राजधानी में होने वाले डायमंड लीग चरण में पदार्पण करेंगे। जेना 2023 बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर रहे और उन्होंने हांगझोउ में 87.54 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ के साथ रजत पदक जीता था। चोपड़ा का मुकाबला चेक गणराज्य के जैकब वडलेज्च और ग्रेनेडा के पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स जैसे प्रतिद्वंद्वियों से होगा।

आईपीएल के पहले दिन रिकॉर्ड 16.80 करोड़ दर्शकों ने देखा मैच

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आईपीएल के 17वें सत्र के पहले दिन उद्घाटन समारोह और चेन्नई सुपर किंग्स तथा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच मैच को रिकॉर्ड 16 करोड़ 80 लाख दर्शकों ने देखा। मेजबान प्रसारक ने यह जानकारी दी। इंडियन प्रीमियर लीग के आधिकारिक प्रसारक डिजनी स्टार ने कहा कि पहले दिन के खेल का 'वाचटाइम' 1276 करोड़ मिनट रहा जो किसी भी सत्र में पहले दिन का रिकॉर्ड है। आईपीएल के 17वें सत्र में पहले दिन डिजनी स्टार नेटवर्क पर 6.1 करोड़ दर्शकों ने प्रसारण देखा। कंपनी ने कहा, 'डिजनी स्टार ने आईपीएल 2023 के

पहले दिन 870 करोड़ मिनट रिकॉर्ड किए थे। पिछले सत्र की तुलना में वाचटाइम में 16 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।' गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को छह विकेट से हराया था। स्टार स्पोर्टस के एक प्रवक्ता ने कहा, 'यह बड़ी उपलब्धि है जिसे स्टार स्पोर्टस के दर्शकों के प्रेम ने संभव कर दिखाया। हम अपने सभी साझेदारों और बीसीसीआई के साथ टाटा आईपीएल को धन्यवाद देते हैं।'

श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी 30 मार्च से 8 अप्रैल तक चैंपियनशिप की करेगी मेजबानी

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट में दिग्गज टीमें होंगी आमने-सामने

- देश के आठ जोन की टॉप दो टीमें नॉक आउट से पहले खेलेंगी लीग मुकाबले

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ और श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी में 30 मार्च से ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन करवाया जाएगा। इस चैंपियनशिप में देश के आठ जोन की पहले व दूसरे स्थान पर रहने वाली यूनिवर्सिटी की टीमें आमने-सामने होंगी। चैंपियनशिप के दौरान पहले लीग व इसके बाद

नॉक आउट मुकाबले होंगे। श्री जेजेटी युनिवर्सिटी के प्रेजीडेंट डॉ देवेन्द्र सिंह ढुल ने बताया कि यूनिवर्सिटी कैंपस में 30 मार्च से 8 अप्रैल तक ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट चैंपियनशिप (पुरूष वर्ग) का आयोजन करवाया जा रहा है। चैंपियनशिप में देश के आठ जोन की 16 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें 4 पूल में जगह दी गई है। हर जोन में पहले व दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें पहले लीग मुकाबले खेलेंगी और इसके बाद नॉक आउट में जगह बनाने वाली टीमें चैंपियनशिप जीतने के मकसद से मैदान में उतरेंगी।

ये यूनिवर्सिटी भाग लेंगी

यूनिवर्सिटी प्रेजीडेंट डॉ देवेन्द्र ढुल ने बताया कि इस चैंपियनशिप में उत्तर क्षेत्र से लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फगवाडा व हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, उत्तर पश्चिम जोन से श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनूं व पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावटी यूनिवर्सिटी सीकर, पूर्व जोन से कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नालॉजी भुवनेश्वर व संभलपुर यूनिवर्सिटी संभलपुर, दक्षिण जोन से त्रिपुरा युनिवर्सिटी अगरतला व हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एंड सांइस चेन्नई, पश्चिम क्षेत्र से कवयित्री बहिनाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी जलगांव व सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी राजकोट, मध्य क्षेत्र से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी जौनपुर व छत्रपति साहू जी महाराज युनिवर्सिटी कानपुर व उत्तर पूर्व क्षेत्र से अन्ना यूनिवर्सिटी चेन्नई व गोवाहाटी युनिवर्सिटी गोवाहाटी, दक्षिण पूर्व क्षेत्र की क्वालीफायर एक व क्वालीफायर दो टीम भागीदारी करेंगी।

प्रतिदिन चार मुकाबले होंगे

ढुल ने कहा कि चैंपियनशिप के दौरान प्रतिदिन चार मुकाबले करवाए जाएंगे। इसके लिए विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक ड्यूटी लगाई जा चुकी हैं। इस अवसर पर युनिवर्सिटी रजिस्ट्रार डॉ अजीत कुमार व खेल बोर्ड सचिव व चैंपियनशिप के आयोजन सचिव डॉ अरूण कुमार, मुख्य वित्त अधिकारी डॉ अमन गुप्ता, मीडिया एन्ड पब्लिसिटी इंचार्ज लवेश शर्मा उपस्थित थे।

पंडित की 'उग्र' कार्यशैली से खफा थे विदेशी खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए पिछले साल आईपीएल खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के पूर्व हरफनमौला डेविड वीसे ने कहा कि कई विदेशी खिलाड़ी मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित की उग्र कार्यशैली से खफा थे। पिछले साल केकेआर के लिए आईपीएल के तीन मैच खेलने वाले 38 वर्ष के वीसे ने कहा कि विदेशी खिलाड़ी इससे कतई खुश नहीं थे कि उन्हें यह बताया जाए कि कैसे रहना है या क्या पहनना है।

वीसे ने पॉडकास्ट 'हिटमैन फोर हायर

अ ईयर इन द लाइफ आफ अ फ्रेंचाइजी क्रिकेटर ' में कहा, 'उन्हें (पंडित को) भारत में काफी उग्र कोच के रूप में जाना जाता है। वह काफी सख्त, अनुशासनप्रिय किस्म के कोच हैं। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में कई बार दुनिया भर से आए विदेशी खिलाड़ियों को यह बताने की जरूरत नहीं होती कि उन्हें कैसे बर्ताव करना है या क्या पहनना है। वह काफी कठिन था।' पंडित 2022 में केकेआर के कोच बने। इससे पहले उन्होंने विदर्भ को 2018 और 2019 में रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाए थे।

चिंतन

भारत की न्यायपालिका संवैधानिक रूप से मजबूत

भारतीय न्यायपालिका संवैधानिक रूप से मजबूत है, स्वायत्त है, स्वतंत्र है। न्यायपालिका ने बार-बार संविधान की रक्षा की है, कार्यपालिका व विधायिका को दिशा दिखाई है। समूचे देश की आस्था भारतीय न्यायपालिक पर है। समय समय पर सरकार व न्यायपालिका में टकराव भी देखे गए हैं, लेकिन दोनों ने अपनी गरिमा व मर्यादा का उल्लंघन कभी नहीं किया है। भरोसा अक्षुण्ण है। जब से केंद्र में पीएम नरेन्द्र मोदी की सरकार आई है, न्यायपालिका पर दबाव के आरोप बार-बार उछाले गए हैं। पूर्व में सुप्रीम कोर्ट के चार जज सार्वजनिक प्रेस वार्ता कर चुके हैं, जिसमें सरकार पर दबाव के आरोप लगाए गए। बाद उन्हीं में एक जज चीफ जस्टिस बने, विवादित ढांचा विवाद पर फैसले की संवैधानिक पीठ में शामिल रहे। अभी देश के पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरीश साल्वे समेत 600 से ज्यादा वरिष्ठ वकीलों ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा गया है कि न्यायपालिका खतरे में है और इसे राजनीतिक और व्यवसायिक दबाव से बचाना होगा। सीजेआई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखने वाले 600 से ज्यादा वकीलों में बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन मिश्रा, अदिश अग्रवाल, चेतन मित्तल, पिंकी आनंद, हितेश जैन, उज्ज्वला पवार, उदय होल्ला और स्वरूपमा चतुर्वेदी भी शामिल हैं। वकीलों ने लिखा है कि 'एक विशेष समूह न्यायपालिका पर दबाव डालने की कोशिश कर रहा है। यह ग्रुप न्यायिक व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है और अपने घिसे-पिटे राजनीतिक एजेंडे के तहत उथले आरोप लगाकर अदालतों को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। उनकी इन हरकतों से न्यायपालिका की पहचान बताने वाला सौहार्द और विश्वास का वातावरण खराब हो रहा है। राजनीतिक मामलों में दबाव के हथकंडे आम बात हैं, खास तौर से उन केसेस में जिनमें कोई राजनेता भ्रष्टाचार के आरोप में घिरा है। ये हथकंडे हमारी अदालतों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और लोकतांत्रिक ढांचे के लिए खतरा हैं।' विशेष समूह कौन है, बताया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यह पत्र देश के वर्तमान राजनीतिक हालात, जिसमें करप्शन के खिलाफ एक्शन हो रहे हैं, के आलोक में लिखा गया लगता है। यूं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्र लिखने वालों का नाम लिए बगैर कांग्रेस पर निशाना साधा है, लेकिन पत्र लिखने वाले वकील काफी अनुभवी हैं, उन्होंने देश की न्याय व्यवस्था को बहुत बारीकी से देखा है, ऐसे में उन्हीं से सवाल है कि क्या भारतीय न्याय व्यवस्था आजादी के वक्त से निरंतर अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं किया है? अगर कमी रही है, तो कहां रही है? क्या हमारे कुछेक वरिष्ठ वकील कांग्रेस नेता रहते हुए अपनी ही संप्रग सरकार के फैसले के खिलाफ आरोपित कॉरपोरेट की ओर से पैरवी नहीं की है? जिसमें सरकार को नुकसान पहुंचा व कॉरपोरेट का फायदा हुआ? कांग्रेस के कार्यकाल में संविधान के अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग के अनेक मामले हुए हैं, उस वक्त वक्त भी न्यायपालिका ने अपनी सीमा व मर्यादा का ध्यान रखा। अभी अगर देश की न्याय व्यवस्था पर किसी भी प्रकार का दबाव है, तो इसे चीफ जस्टिस समेत तमाम जज वकीलों से बेहतर समझेंगे, इसलिए वे न्यायतंत्र को दबावमुक्त बनाने के लिए खुद आगे आएंगे। वकीलों की चिट्ठी की टाइमिंग किसी खास अभिप्राय से प्रेरित प्रतीत होती है। न्यायपालिका अपनी स्वतंत्रता, स्वायत्तता, मर्यादा व गरिमा की रक्षा करने में खुद सक्षम है। अनर्गल अलाप करने न्यायतंत्र की साख को कमतर करने की कोशिश नहीं होनी चाहिए।

दलबदल
उमेश चतुर्वेदी

आवाजाही की राजनीतिक संस्कृति

आधुनिक भारतीय राजनीतिक इतिहास में 1963 के साल को प्रस्थान बिंदु कहा जा सकता है। इसी साल गैर कांग्रेसवाद की छतरी के नीचे समाजवादी धारा प्रमुख स्तंभ और भारतीय राजनीति के विद्रोही राममनोहर लोहिया और राष्ट्रवादी धारा के विचारक-राजनेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय साथ आए थे। इसी साल चार लोकसभा सीटों के लिए हुए उपचुनावों में दोनों ने मिलकर कांग्रेस को ना सिर्फ चुनौती दी, बल्कि इतिहास रच दिया। 1963 का चुनाव इस मायने में भी विशेष रहा, क्योंकि इसी साल चुनावी राजनीति में कुछ मूल्य रचे गए। मुस्लिम बहुल चुनाव क्षेत्र होने के बावजूद लोहिया ने समान नागरिक संहिता की वकालत की तो पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने ब्राह्मण बिरादरी के नाम पर जौनपुर में वोट मांगने से इनकार कर दिया था। इसका असर यह हुआ कि लोहिया को बमुश्किल जीत हासिल हुई तो दीनदयाल उपाध्याय संसद की देहरी पर पहुंचने से चूक गए। लेकिन दोनों नेताओं ने राजनीतिक मूल्यों से समझौता नहीं किया।

अब जरा मौजूदा राजनीति की ओर देखिए। राजनीति के लिए प्रमुख शर्त वैचारिक प्रतिबद्धता अब कहीं खो गई है। राजनीति का पहला मकसद चुनाव जीतना रह गया है। मौजूदा दौर की राजनीति के लिए सत्ता साध्य बन चुकी है, साधन तो खैर वह है ही। यही वजह है कि चुनावी मौसम आते ही राजनीतिक दलों में आवाजाही बढ़ जाती है। इस बार भी जैसे-जैसे चुनाव अभियान परवान चढ़ रहा है, राजनीतिक आवाजाही का खेल उतनी ही तेजी से बढ़ रहा है। राजनीतिक आवागमन के इस खेल के खिलाड़ी हर पार्टी में हैं। शायद ही कोई दल ऐसा है, जो इस खेल में शामिल नहीं है। इसे कुछ उदाहरणों से समझा जा सकता है। पंजाब के लुधियाना से कांग्रेस के सांसद रवनीत बिट्टू ने कांग्रेस छोड़ भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। कुछ ही दिनों पहले पंजाब से ही कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य परनीत कौर ने भी कमल के फूल में भरोसा जताना पसंद किया था। झारखंड की राजनीति में पितृपुरूष के रूप में स्थापित दिशोम गुरू शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन ना सिर्फ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं, बल्कि उन्हें राज्य की दुमका सीट से पार्टी ने उम्मीदवार बना दिया। झारखंड के निर्दलीय विधायक रहते मुख्यमंत्री बनने वाले मधु कौड़ा की पत्नी गीता कोड़ा भी अब भारतीय जनता पार्टी की नेता हैं। ऐसा नहीं कि सिर्फ कांग्रेस से ही भाजपा में लोग आ रहे हैं। झारखंड में भाजपा के प्रभावशाली नेता जयप्रकाश पटेल कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। तेलंगाना से भाजपा नेता सतीश मडीगा कांग्रेस में आ चुके हैं।

राजनीतिक आवाजाही से न तो राष्ट्रीय जनता दल मुक्त है और न जनता दल यू। जनता दल यू विधायक बीमा भारती आरजेडी में चली गईं तो आरजेडी के साथ रही लवली आनंद जनता दल यू में शामिल हो चुकी हैं। मध्य प्रदेश में बीजेपी नेता पंकज लोधा कांग्रेस में चले गए। हिमाचल कांग्रेस के छह बागी विधायक भी कमल का फूल खिलाने में जुट गए हैं। सियासी आवाजाही के इस खेल में अभी फायदे में बीजेपी नजर आ रही है, क्योंकि उसकी चौखट पर माथा नवाने वालों की भीड़ लगी है, जबकि दूसरे दल इक्का-दुक्का नेताओं को ही दूसरे दलों से तोड़ पाने में कामयाब हो पाए हैं। छोटे दलों के

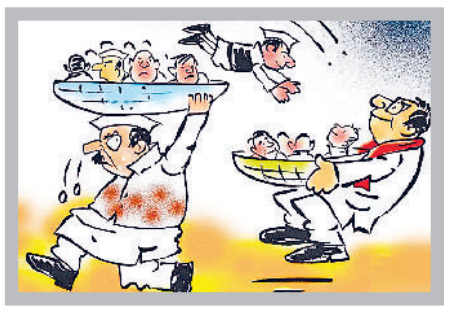

आलाकमान के अपवाद को छोड़ दें तो किसी भी बड़े दल का प्रमुख नेतृत्व आवाजाही में शामिल नहीं है।

हर दल की अपनी वैचारिकी होती है, उनकी अपनी प्रतिबद्धता भी होती है। किसी दल में लंबे समय तक कार्य करने का एक अर्थ यह होता है कि व्यक्ति, कार्यकर्ता या नेता उस दल की विचारधारा को लेकर प्रतिबद्ध होता है। जब तक वह दल में रहता है, तब तक अपने दल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जाहिर करने का कोई मौका नहीं छोड़ता। अपने दलीय आलाकमान के प्रति निष्ठावान भी रहता है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या दलीय सीमा को पार करते ही बरसों से राजनीतिक वैचारिकी से लैस रहे राजनेता की वैचारिकी क्या उसके राजनीतिक पटके की तरह अचानक से बदल जाती है? राजनीतिक आवाजाही का यह खेल राजनीतिक दलों के उन कार्यकर्ताओं को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है, जो बरसों से अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता के चलते किसी दल विशेष के लिए काम कर रहे होते हैं। लेकिन उन कार्यकर्ताओं को यह आवाजाही उत्साह से भर देती है, जो दल विशेष के केंद्रीय नेतृत्व से प्रभावित होकर या सत्ताकांक्षा के चलते उस दल विशेष के प्रति सहानुभूति रखते हैं या फिर उसके समर्थक बन जाते हैं। राजनीतिक आवाजाही से जमीनी स्तर के राजनीतिक कार्यकर्ता और नेता को झटका भी लगता है। दरअसल होता यह है कि जमीनी स्तर का कार्यकर्ता अपनी दलीय वैचारिकी और नेतृत्व की वजह से अपने दल से जहां विशेष मोहब्बत करता है, वहीं अपने नेतृत्व के प्रति निष्ठा भी रखता है। इसी स्नेह और निष्ठा के चलते वह अपने विरोधी दलों के नेता और कार्यकर्ता से अक्सर भिड़ता भी रहता है। जमीनी स्तर पर यह भिड़ंत कई बार व्यक्तिगत स्तर तक पहुंच जाती है। लेकिन जैसे ही राजनीतिक दबाव और जरूरत के लिहाज विरोधी दल का नेता अपना दल छोड़ विरोधी दल में शामिल होता है, जमीनी स्तर के कार्यकर्ता को इससे झटका लगता है। वह सोचने लगता है कि आखिर जिसका उसने खूब विरोध किया, उसके साथ वह किस तरह खड़ा होकर फोटो खिंचवा पाएगा। जमीनी स्तर पर कई कार्यकर्ता ऐसे भी होते हैं, जो चुनावी राजनीति में खुद को भी स्थापित होने की ख्वाहिश रखते रहे हैं। लेकिन जब विपक्षी दल का वह नेता उसके दल में शामिल हो जाता है, जिसके विरोध में उसकी जमीनी राजनीति परवान चढ़ती रही है तो जैसे उसके सपनों पर विराम लग जाता है। इसलिए कई बार आवाजाही के खेल का असर जमीनी स्तर पर उल्टा भी पड़ जाता है।

यह सच है कि भारतीय राजनीति में नरेंद्र मोदी ने जो छवि और जगह हासिल कर ली है, फिलहाल उनके मुकाबले दूसरा कोई नेता नजर नहीं आ रहा है। इसलिए चुनावी राजनीति में अपना भविष्य संवारने वाले नेताओं को भाजपा में ही अपना भविष्य दिख रहा है। इसलिए भाजपा की ओर विपक्षी दलों के नेताओं का रूझान ज्यादा है। बेशक भाजपा इसे अपनी सफलता मान सकती है। लेकिन इनमें से कितने भाजपा की विशेष वैचारिकी के प्रति निष्ठावान रह पाएंगे, यह कहना मुश्किल है।

हमने जिस लोकतंत्र को स्वीकार किया है, उसे दुनिया का सबसे बेहतर शासन मॉडल माना जाता है। इसका एक मकसद लोकविश्वास हासिल करना और लोक की भलाई करना है। लेकिन सवाल यह है कि आवाजाही की राजनीतिक संस्कृति क्या लोक की इन अपेक्षाओं पर सही मायने में खरी उतर सकती है? सवाल यह भी है कि किसी खास विचारधारा के साथ काम करते हुए खास राजनीतिक शख्सियत ने अगर लोक भरोसा जीता होता, अगर लोक कल्याण किया होता तो फिर उसे दल को बदलने की जरूरत ही क्यों पड़ती? ऐसे में यह भी सवाल पूछा जाना चाहिए कि नए दल में जाकर वही राजनीतिक शख्सियत किस हद तक लोक के प्रति जवाबदेह रह पाएगी? आज नहीं तो कल, भारतीय लोकतंत्र को इन सवालों से जूझना ही होगा। भले ही इस ओर मौजूदा राजनीति का ध्यान नहीं हो।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

> किसी दल में लंबे समय तक कार्य करने का एक अर्थ यह होता है कि व्यक्ति, कार्यकर्ता या नेता उस दल की विचारधारा को लेकर प्रतिबद्ध होता है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या दलीय सीमा को पार करते ही बरसों से राजनीतिक वैचारिकी से लैस रहे राजनेता की वैचारिकी क्या उसके राजनीतिक पटके की तरह अचानक से बदल जाती है? सवाल यह भी है कि नेता ने अगर लोक भरोसा जीता होता, तो फिर उसे दल को बदलने की जरूरत ही क्यों पड़ती? ऐसे में यह भी सवाल पूछा जाना चाहिए कि नए दल में जाकर वही नेता किस हद तक विचारधारा व लोक के प्रति जवाबदेह रह पाएगा? आज नहीं तो कल, भारतीय लोकतंत्र को इन सवालों से जूझना ही होगा।

गुड फ्राइडे विशेष
योगेश कुमार गोयल

ईसा के निःस्वार्थ प्रेम संदेश को जीवन में उतारें हम

ईसाई धर्म के अनुयायियों का प्रमुख त्यौहार है 'गुड फ्राइडे', जो एकमात्र ऐसा दिन है, जिसका निर्धारण यहूदियों द्वारा किया जाता है। चांद देखकर यहूदी फरवरी माह में ही इस दिन का निर्धारण करते हैं। गुड फ्राइडे को होली फ्राइडे, ब्लैक फ्राइडे या ग्रेट फ्राइडे के नाम से भी जाना जाता है। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में 'गुड फ्राइडे' मनाया जाता है। यह दिन पवित्र सप्ताह के दौरान मनाया जाता है, जो ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 29 मार्च को मनाया जा रहा है।

ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। दरअसल ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा का संदेश देने वाले यीशु (ईसा मसीह) को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा सूली पर चढ़ा दिया गया था, इसीलिए इस दिन मानवता की रक्षा के लिए दिए गए उनके बलिदान को याद किया जाता है। ईसाई धर्म के अनुयायी इस अवसर पर चर्च जाकर प्रभु यीशु को याद कर शोक मनाते हैं और विशेष प्रार्थना करते हैं। गुड फ्राइडे के दिन गिरिजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता, बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है।

गुड फ्राइडे के दिन क्षमा, मेल-मिलाप, सहायता और त्याग पर केंद्रित ईसा मसीह के अंतिम सात वाक्यों की विशेष व्याख्या की जाती है। मान्यता है कि यीशु ने ही ईसाई धर्म की स्थापना की थी। गुड फ्राइडे की प्रार्थना दोपहर 12 से 3 बजे के बीच ही की जाती है क्योंकि माना जाता है कि यीशु को इसी दौरान सूली पर चढ़ाया गया था। ईसाई धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यीशु का कोई दोष नहीं होने पर भी उन्हें क्रॉस पर लटकाकर मारने का दण्ड दिया गया था लेकिन फिर भी उन्होंने अपने हत्यारों के लिए प्रार्थना करते हुए कहा था कि हे ईश्वर! इन्हें क्षमा करें क्योंकि ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं।

कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को 'राख का बुधवार' कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं।

ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी, क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे। ईसा मसीह परिवर्तन के पक्षधर थे और उन्होंने मानव प्रेम की सीमा नहीं बांधी बल्कि अपने बलिदान से उसे आत्मकेंद्रित एवं स्वार्थ से परे बताया। पृथ्वी पर बढ़ रहे पापों के लिए बलिदान देकर ईसा ने निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। सूली पर प्राण त्यागने से पहले यीशु ने कहा था, ''हे ईश्वर! मैं अपनी आत्मा को तेरे हाथों में सौंपता हूं।''

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

व्यक्ति को निरंतर रूप से निखारती है आत्म-प्रतिस्पर्धा

संकलित
दर्शन

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहते हुए वह अनेक छोटे-बड़े लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहता है। समाज का अंग होते हुए, समाज में अपनी पहचान बनाना भी प्रत्येक व्यक्ति का एक उद्देश्य जैसा ही प्रतीत होता है। इन उद्देश्यों, लक्ष्यों व उपलब्धियों की प्राप्ति के लिए चल रहे अनवरत प्रयत्नों के फलस्वरूप एक सामाजिक प्रक्रिया जन्म लेती है। इस सामाजिक प्रक्रिया का नाम है-प्रतिस्पर्धा। यदि सरल शब्दों में कहा जाए तो बेहतर प्रदर्शन करने की तीव्र लालसा। यह लालसा एक अबोध शिशु से लेकर एक वृद्ध तक सभी में विद्यमान रहती है। वस्तुतः जब आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं होती, तो प्रतिस्पर्धा स्वतः ही जन्म ले लेती है। प्रतिस्पर्धा में कदाचित विरोध व ईर्ष्या की भावनाएं भी अंतर्निहित होती हैं, किंतु ऐसी प्रतिस्पर्धा स्वस्थ नहीं कही जाती। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा वास्तव में उत्कृष्टता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतिस्पर्धा की यही विशेषता इसे संघर्ष से अलग करती है। एक अन्य विशेष बात यह है कि प्रतिस्पर्धा किसी तंत्र विशेष तक ही सीमित रहती है। एक विशेष तरह की प्रतिस्पर्धा एक विशेष तंत्र में ही दृष्टिगोचर होती है। किसी व्यक्ति के साथ आपकी प्रतिस्पर्धा केवल तभी तक रहती है, जब तक आप उसके साथ किसी तंत्र को साझा करते हैं। किसी व्यक्ति द्वारा वह तंत्र छोड़ते ही प्रतिस्पर्धा स्वतः समाप्त हो जाती है। यह आवश्यक नहीं कि प्रतिस्पर्धा सदैव दूसरे व्यक्ति के साथ ही हो।

अच्छी बातें जीवन में उतारने पर ही लाभ मिलेगा

संकलित
प्रेरणा

द्वापर युग में द्रोणाचार्य को भीष्म पितामह ने कौरव और पांडव राजकुमारों का गुरु बना दिया था। एक दिन द्रोणाचार्य ने सभी राजकुमारों को एक पाठ दिया और कहा कि कल इस पाठ को आत्मसात करके आना है। आत्मसात शब्द का अर्थ है जीवन में, अपने आचरण में उतारना। अगले दिन सभी राजकुमार गुरु के आश्रम में पहुंच गए। पढ़ाई शुरू हुई तो द्रोणाचार्य ने पूछा कि कौन-कौन कल का पाठ याद करके आया है? युधिष्ठिर को छोड़कर बाकी सभी राजकुमारों ने कह दिया कि हमने ये पाठ याद कर लिया है। गुरु ने युधिष्ठिर से पूछा कि तुमने पाठ याद क्यों नहीं किया है? युधिष्ठिर ने कहा कि मैंने अभी तक ये पाठ आत्मसात नहीं किया है। ये बात सुनकर द्रोणाचार्य हैरान थे। कुछ देर सोचकर गुरु ने कहा कि ठीक है कल याद करके आना। इसके बाद दस दिन बीत गए, लेकिन युधिष्ठिर को वो पाठ अब तक याद नहीं हुआ था। जबकि अन्य राजकुमार युधिष्ठिर से 10 पाठ आगे पहुंच गए थे। द्रोणाचार्य ने युधिष्ठिर से पूछा कि आखिर बात क्या है। युधिष्ठिर ने कहा कि गुरुदेव, जैसे मेरे भाइयों ने ये पाठ याद किया है, वैसे तो मुझे याद है, लेकिन आपने कहा था कि इस पाठ को आत्मसात करना है। आपने सत्य को जीवन में उतारने का पाठ दिया था और मैं सत्य को जीवन में उतार नहीं पा रहा हूं। जब तक मैं इसे आत्मसात नहीं कर लूंगा, जब तक मैं सत्य को जीवन में नहीं उतार लूंगा, तब तक मैं इससे आगे नहीं बढ़ पाऊंगा।

अंतर्मन

आज की पाती

जेल से सरकार चलाने वाले संविधान का उड़ा रहे हैं मजाक

केजरीवाल के जेल से सरकार चलाने का यह दूसरा वाक्या हमारे सामने है। बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को जेल हुई तब राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया गया था। लेकिन वह मुख्यमंत्री के पद पर थी और सदन की सारी कार्यवाई पर लालू की नजर थी। लेकिन केजरीवाल के लिए उल्टा कानून है। जेल से कोई कैसे सरकार चला सकता है? विधानसभा सत्र बुलाया जाए और अविश्वास मत पारित करने को कहा जाना चाहिए। दिल्ली विधानसभा पर अमेरिका और जर्मनी की नजर है।

-कांतिलाल मांडोत, सूरत

ट्रेंड

दिव्यांगों के अनुकूल निर्माण हो

यह सुनिश्चित करना इंजीनियरिंग सेवा अधिकारियों का कर्तव्य है कि आपके द्वारा डिजाइन किये गये सार्वजनिक बुनियादी ढांचे दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के इस्तेमाल के लिए सुगम होना चाहिए, चाहे वह कार्यालय हो, आवास या सड़क हो।

-द्रौपदी मुर्मू , राष्ट्रपति

गलत करने वाले बचेंगे नहीं

जांच एजेंसी - केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) - अपना काम करेंगे और उन लोगों को माफ करने का कोई सवाल ही नहीं है, जिन्होंने गलत काम किया है। वे (विपक्ष) अपने भ्रष्टाचार को बचाना चाहते है।

-पीयूष गोयल, केंद्रीय मंत्री

नौकरियां कहां हैं?

सालाना दो करोड़ नौकरियां कहां हैं और 30 लाख सरकारी पद खाली क्यों है? कॉरपोरेट का 16 लाख करोड़ रूपये माफ हो गया लेकिन हमारे किसान कर्ज से आत्महत्या क्यों कर रहे है? 'महंगाई आज चरम पर क्यों है?

-प्रियंका गांधी, कांग्रेस नेता

ट्रेड शुरू करने की योजना नहीं

भारत के साथ व्यापारिक संबंधों को फिर से शुरू करने की पाकिस्तान की कोई योजना नहीं है। अगस्त, 2019 के बाद से पाकिस्तान-भारत व्यापार संबंध न के बराबर हैं। अनुच्छेद 370 के हटने के बाद से पाक ने इंडो ट्रेड व्यापार निलंबितकर दिया था।

-मुमताज जहरा बलोच, पाक विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता

करंट अफेयर

यमन में हिंसा के बीच बन रही हवाई पट्टी

यमन के हूथी विद्रोहियों ने मध्यपूर्व जलमार्ग में जहाजों को निशाना बनाना जारी रखा है, ऐसे में एसोसिएटेड प्रेस (एपी) द्वारा लिए गए उपग्रह चित्रों के विश्लेषण से पता चलता है कि उस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग के प्रवेश क्षेत्र में एक नई हवाई पट्टी बनाई जा रही है। किसी देश ने भी सार्वजनिक रूप से ऐसा कोई दावा नहीं किया है कि अदन की खाड़ी के प्रवेश स्थल के पास हिंद महासागर क्षेत्र में अब्द अल-कुरी द्वीप पर कोई निर्माण कार्य हो रहा है। हालांकि, 'एपी' के उपग्रह चित्रों से पता चलता है कि मजदूरों ने रनवे के पास धूल के ढेर लगाकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के संदर्भ में 'आई लव यूएई' की आकृति उकेरी है। गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध के बीच अदन की खाड़ी और लाल सागर हूथियों और अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं के बीच युद्ध का मैदान बन गया है। यह निर्माण ऐसे समय में हुआ है जब सोकोट्रा द्वीप शृंखला में अमीरात के सैनिकों की उपस्थिति और दक्षिणी यमन में उसके समर्थन वाले अलगाववादियों की मौजूदगी के कारण झड़पें हुई हैं। यूएई ने 'एपी' के सवालों के जवाब में बृहस्पतिवार को कहा, 'सोकोट्रा द्वीप पर यूएई की कोई भी उपस्थिति मानवीय आधार पर है जो यमन सरकार और स्थानीय अधिकारियों के सहयोग से की जाती है।'

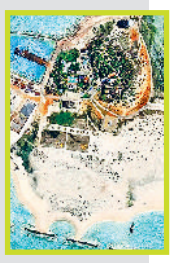

ऑफ बीट

कुछ चॉकलेट खाना क्या वास्तव में अच्छा है

ईस्टर संडे को दिसंबर के अंत में सुपरमार्केट में पहली बार आते देखना हालांकि मुझे हमेशा थोड़ा खुश कर देता है, लेकिन ऐसे कुछ लोग हैं जो हर साल थोड़ी सी चॉकलेट पाकर खुश नहीं होते हैं।

यह समझ में आता है कि अधिकांश उत्पादों में वसा और चीनी की मात्रा अधिक होने के कारण बहुत अधिक चॉकलेट आपके लिए हानिकारक होगी। लेकिन हमें उन सामान्य दावों के बारे में क्या कहना चाहिए कि कुछ चॉकलेट खाना वास्तव में आपके लिए अच्छा है?

ख़ुशी की बात है कि ऐसे पर्याप्त सबूत हैं जो दिखाते हैं कि सही परिस्थितियों में चॉकलेट आपके दिल के लिए फायदेमंद और आपकी मानसिक स्थिति के लिए अच्छी हो सकती है। वास्तव में, चॉकलेट - या अधिक विशेष रूप से कहें तो कोको, कच्ची, अपरिष्कृत बीन - एक औषधीय आश्चर्य है। इसमें कई अलग-अलग सक्रिय यौगिक होते हैं जो शरीर के भीतर दवाओं या दवाओं जैसे औषधीय प्रभाव पैदा कर सकते हैं। मस्तिष्क में न्यूरोलॉजिकल प्रभाव पैदा करने वाले यौगिको को रक्त-मस्तिष्क बाधा को पार करने में सक्षम होना चाहिए। यह एक ऐसा सुरक्षा कवच है, जो विषाक्त पदार्थों और बैक्टीरिया जैसे हानिकारक पदार्थों को नाजुक तंत्रिका ऊतक में प्रवेश करने से रोकता है। इनमें से एक यौगिक थियोब्रोमाइन है, जो चाय में भी पाया जाता है और इसके कड़वे स्वाद में योगदान देता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

लोकसभा चुनाव का रण

हाथ छोड़ कमल थाम रहे दलबदलु, बढ़ रहा भाजपा का कुनबा

विपक्षी दलों के 80 हजार नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

भाजपा का मकसद- आंकड़ा 01 लाख पहुंचे

अकेले मध्यप्रदेश में 17 हजार ने कांग्रेस छोड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। *देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टियों में से एक भाजपा ने जॉइनिंग कमेटी की बनाकर लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कई रणनीतियां तैयार की हैं। इस समिति ने देशभर की कई पार्टियों के करीब 80 हजार नेताओं और कार्यकर्ताओं को भाजपा जॉइन करवाई है। भाजपा में शामिल होने वालों में राष्ट्रीय स्तर ही नहीं, बल्कि जिला स्तर के नेता भी शामिल हैं। भाजपा का मकसद चुनाव से पहले दूसरे दलों के करीब एक लाख नेता-कार्यकर्ता को पार्टी में शामिल करना है। भाजपा का दावा है कि अकेले मध्यप्रदेश में पिछले 80 दिनों में 17 हजार कांग्रेसी पार्टी में शामिल हुए हैं। इनमें कांग्रेसियों की संख्या ज्यादा है।*

हाल ही में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने पार्टी ज्वाइन की

हरियाणा में सावित्री व नवीन जिंदल, रणजीत चौटाला कमल के साथ गए

परनीत कौर, लालचंद कटारिया किरण कुमार रेड्डी ने भी थामा दामन

सुरेश पचौरी, ज्योति मिर्धा, अर्जुन मोढवाडिया भी भाजपा में गए

ऐसा जुनून कहां

238 बार चुनाव लड़ा, हर बार हारे के. पद्मराजन

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम शामिल

नरसिम्हा-अटल के खिलाफ भी लड़ चुके अब तक एक करोड़ का हो चुका नुकसान

चेन्नई (एजेंसी)। देश में कुछ दिनों में लोकसभा चुनाव होने जा रहे है। तमिलनाडु के पद्मराजन भी चुनाव लड़ने जा रहे हैं। पद्मराजन ने अपने जीवन में स्थानीय चुनाव से लेकर राष्ट्रपति पद तक 238 बार चुनाव लड़ा, लेकिन हर बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पद्मराजन को इलेक्शन किंग और वर्ल्ड बिगेस्ट इलेक्शन लूजर की उपाधि मिली हुई है। 65 साल के पद्मराजन टायर की दुकान के मालिक हैं। उन्होंने पहली बार 1988 में तमिलनाडु के अपने गृह नगर मेट्टूर से चुनाव लड़ा था। वे पीवी नरसिम्हा राव, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे बड़े नेताओं के खिलाफ भी चुनाव लड़ चुके है। इस बार वे तमिलनाडु के धर्मपुरी से चुनाव लड़ रहे हैं। कंधे पर चमकदार शॉल लपेटे हुए और मूछों पर ताव देते हुए पद्मराजन कहते हैं- जब मैंने पहली बार चुनाव के लिए नामांकन भरा तो लोग मुझ पर हंस रहे थे, लेकिन मैं चुनाव में भाग लेकर साबित करना चाहता था कि आम आदमी भी चुनाव लड़ सकता है। उनका ये भी कहना है कि नामांकन के नाम पर 30 सालों में मेरे एक करोड़ से ज्यादा खर्च हो गए हैं।

14 साल बाद फिर राजनीतिक पारी

गोविंदा शिवसेना शिंदे गुट में शामिल

मुंबई नार्थ-वेस्ट से लड़ सकते हैं चुनाव

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर गोविंदा महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। वे गुरुवार शाम करीब 5 बजे सीएम शिंदे के साथ मुंबई स्थित शिवसेना ऑफिस पहुंचे। इसके थोड़ी देर बाद उन्होंने पार्टी जॉइन कर ली। शिवसेना जॉइन करने के बाद गोविंदा ने कहा- मैं 2004 से 2009 तक राजनीति में था। ये संयोग है कि 14 साल बाद मैं फिर से राजनीति में आया हूं। मुझ पर जो विश्वास किया गया है, मैं उसे पूरी तरह से निभाऊंगा। देर शाम पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट भी जारी कर दी। इसमें 8 उम्मीदवारों के नाम हैं। पार्टी ने मुंबई साउथ-सेंट्रल, कोल्हापुर, रामटेक, शिर्डी, बुलढाणा, हिंगोली, मावल और हातकणंगले से उम्मीदवारों की घोषणा की है। सूत्रों के मुताबिक, राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से भाजपा 27, शिवसेना 14 और एनसीपी 5 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसकी आधिकारिक घोषणा जल्द होने की संभावना है।

2004 से 2009 तक सांसद रहे : पार्टी गोविंदा को मुंबई की नॉर्थ-वेस्ट लोकसभा सीट से टिकट दे सकती है। यहां से उद्धव गुट की शिवसेना ने अमोल कीर्तिकर को अपना प्रत्याशी बनाया है। उन्होंने 2004 में कांग्रेस के टिकट पर मुंबई नॉर्थ से भाजपा के राम नाइक को 48,271 वोटों से हराया था।

समर्थकों ने मिठाई बांटी

अमरावती से सांसद भाजपा में शामिल हुईं नवनीत राणा

सांसद नवनीत राणा भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गई हैं। नवनीत महाराष्ट्र के अमरावती जिले से सांसद हैं। इस बीच अमरावती लोकसभा सीट से भाजपा ने नवनीत राणा को अपना उम्मीदवार बनाया है। ऐसे में नवनीत राणा की नाम की घोषणा के साथ ही अमरावती में जश्न का माहौल शुरू हो गया। नवनीत राणा के भाजपा में शामिल होने के साथ ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि नवनीत राणा की हिंदूवादी नेता और फायरब्रांड नेता के रूप में पहचान है।

दो बड़े नेताओं का मिला साथ

सांसद भर्तृहरि और पूर्व सांसद सिद्धांत महापात्र ने थामा कमल

भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली कार्यालय में गुरुवार को ओडिशा के दो बड़े नेता एवं एक वरिष्ठ समाजसेविका भाजपा में शामिल हुए हैं। इसमें कटक लोकसभा सीट से छह बार के सांसद भर्तृहरि महताब, अभिनेता तथा बीजद से दो बार सांसद रहे पूर्व सांसद सिद्धांत महापात्र एवं बारीपदा की चर्चित चेहरा समाजसेविका पद्मश्री दमयंती मिश्रा भाजपा में शामिल हुए हैं। इस अवसर पर केन्द्र शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, भाजपा के उपाध्यक्ष बैजयंत पंडा, राज्य भाजपा के अध्यक्ष मनमोहन सामल मौजूद रहे।

वरुण ने लिखी भावुक चिट्ठी बोले-पीलीभीत के लिए लड़ूंगा

भाजपा ने पिलीभीत से मौजूदा सांसद वरुण गांधी के बजाए जितिन प्रसाद को टिकट दिया है। अब वरुण गांधी ने पीलीभीत की जनता के नाम एक भावुक संदेश लिखा है। उन्होंने कहा है कि आपका प्रतिनिधि होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और मैंने हमेशा अपनी पूरी क्षमता से आपके हितों के लिए आवाज उठाई है। वरुण गांधी ने पीलीभीत को लिखे गए पत्र में कहा है कि एक सांसद के तौर पर मेरा कार्यकाल भले समाप्त हो रहा हो, पर पीलीभीत से मेरा रिश्ता अंतिम सांस तक खत्म नहीं हो सकता। सांसद के रूप में नहीं, तो बेटे के तौर पर सही, मैं आजीवन आपकी सेवा के लिए प्रतिबद्ध हूँ और मेरे दरवाजे आपके लिये हमेशा पहले जैसे ही खुले रहेंगे। वरुण ने कहा कि मैं राजनीति में आम आदमी की आवाज उठाने आया था और आज आपसे यही आशीर्वाद मांगता हूँ कि सदैव यह कार्य करता रहूं, भले ही उसकी कोई भी कीमत चुकानी पड़े। मेरा और पीलीभीत का रिश्ता प्रेम और विश्वास का है। जो किसी राजनीतिक गुणा-भाग से बहुत ऊपर है। मैं आपका था, हूं और रहूँगा। पीलीभीत में 35 साल से वरुण और मेनका गांधी चुनाव लड़ रहे हैं। 1989 से अब तक यानी 30 साल से इस सीट पर मां-बेटे का कब्जा रहा है। सिर्फ 1991 के चुनाव मेनका गांधी यहां से लोकसभा चुनाव हार गईं थीं। वरुण गांधी ने अपना राजनीतिक डेब्यू 2009 में इसी सीट से किया था।

चिराग को बड़ा झटका! दिग्गज नेता ने छोड़ा साथ

चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरुण कुमार ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने खुद को पार्टी से अलग कर लिया है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि जहानाबाद सीट (एलजेपीआर को) नहीं मिलने के बाद उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दिया। उन्होंने कहा कि जहानाबाद से चुनाव लड़ने का फैसला समर्थकों से बातचीत के बाद लेंगे। उन्होंने इशारों ही इशारों में ये भी कह दिया कि उनके साथ धोखा हुआ है। अरुण कुमार ने कहा कि पूरे बिहार की जनता देख-समझ रही है कि हमारे साथ क्या हुआ है। अरुण कुमार ने कहा कि उनके (चिराग पासवान) कहने पर हमने अपनी पार्टी का विलय तक कर लिया। आखिर हम लोग माला जपने वाले हिमालय के साधु नहीं हैं। हम तो जन सुविधाओं के लिए और जनता को ताकत के लिए 40 वर्षों से राजनीति कर रहे हैं, इसलिए मैंने अपने आपको उनसे अलग कर लिया है।

तमिलनाडु

भाजपा के लिए आसान नहीं द्रविड सियासत के चक्रव्यूह को भेदना

नई दिल्ली (ओ.पी. पाल.)। इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 400 पार सीटों का लक्ष्य तय किया है, जिसमें भाजपा ने दक्षिणी राज्यों खासकर द्रविड सियासत के प्रभाव वाले तमिलनाडु अलग रणनीति तैयार की है, क्योंकि पिछले दो लोकसकभा चुनाव में भाजपा का विजय रथ तमिलनाडु में ही आकर रुकता नजर आया है। एडीएमके से रिश्ते टूटने के बाद अब भाजपा को हालांकि पीएमके का साथ मिला है, जिसका दर्जन भर सीटों पर अच्छा प्रभाव है। लेकिन भाजपा की तमिलनाडु में चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की इस रणनीति के बावजूद द्रविड़ सियासत के इस समुद्र को पार करना एक बड़ी चुनौती साबित होगी।

डीएमके व एडीएमके के चुनावी संग्राम में तीसरी ताकत के रूप में राजग की तैयारी

तमिलनाडु राजनीति के राजनीतिक इतिहास पर नजर डाली जाए, तो इस लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु की राजनीति में इस समय द्रविड़ दलों यानी द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एडीएमके) को अक्सर एक राजनीतिक महाशक्ति के रूप में देखा जाता है। ये दोनों प्रमुख दल ही पिछले दशकों से राज्य पर शासन करते आ रहे हैं। इसलिए भी यहां अभी तक भाजपा की दाल नहीं गल पाई। इसके पीछे का कारण साफ है कि भाजपा की राजनीतिक विचारधारा हिंदुत्व है, लेकिन तमिलनाडु में हिंदुत्व नहीं, बल्कि द्रविड राजनीति का बोलबाला है। द्रविड संस्कृति में यहां की मूल भाषा के सामने हिंदी भाषा का भी बड़ा विरोध भी बड़ी वजह है। शायद यही कारण रहा कि डीएमके के नेताओं द्वारा पिछले दिनों सनातन यानी हिंदू धर्म विरोधी टिप्पणियों को हवा दी गई। हालांकि ऐसे बयानों ने विपक्षी गठबंधन इंडिया का संकट भी बढ़ा है, लेकिन अतीत में ब्राह्मण राजनीति के वर्चस्व को पछाड़कर द्रविड़ आंदोलन से बदली द्रविड़ वर्चस्व के ईर्दगिर्द घूमती सियासत के दबदबे को कायम रखने के मकसद से डीएमके और एडीएमके अपनी सियासी जमीन को मजबूत बनाने में जुटे हैं, जिन्हें इंडिया गठबंधन में तमिलनाडु की राजनीति के हिसाब से तव्ज्जो दी जा रही है। ऐसे सियासत के बुने जाल को भाजपा का चक्रव्यूह तोड़ पाएगा, इसकी संभावनाएं बहुत ही कम हैं। हालांकि लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले पीएम मोदी के तमिलनाडु में हुए ताबड़तोड़ दौरों में की गई विकास एवं अन्य घोषणाओं का कितना प्रभाव होगा यह अभी भविष्य के गर्भ में है।

ये दोनों प्रमुख दल कई दशक से राज्य पर शासन करते आ रहे

18 और 19 आयु वर्ग के 9.18 लाख मतदाता : इस बार 18 और 19 आयु वर्ग के 9.18 लाख मतदाता पहली बार मतदान करेंगे। जबकि 20 से 29 आयु वर्ग के 1.08 करोड़ मतदाता हैं। राज्य में सबसे अधिक 1.37 करोड़ मतदाताओं की संख्या 40 से 49 आयु वर्ग के बीच है। जबकि तमिलनाडु में बुजुर्ग यानी 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या भी 12.5 लाख से अधिक है। जबकि साल 2023 में राज्य में मतदाताओं की संख्या 6,20,41,179 थी, जिसकी तुलना में लोकसभा चुनाव में दो लाख से अधिक मतदाताओं में कमी दर्ज की गई है, हालांकि ट्रांसजेंडर 8,027 से बढ़कर 8,294 हो गये है। दरअसल गत जनवरी में मतदाता सूची के अंतिम प्रकाश में से 13.61 लाख नए मतदाता जोड़े गये हैं, लेकिन वहीं 6.02 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गये हैं।

3,14,85,724 महिला मतदाता

4,48,138 दिव्यांग

3,03,96,330 पुरुष मतदाता

8,294 ट्रांसजेंडर

भाजपा-पीएमके 24 सीटों पर करेगी संघर्ष

भाजपा ने तमिलनाडु में 20 सीटों पर अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे हैं, जबकि उसकी साझीदार डॉ. एस. रामदास अंबुमणि की पार्टी पीएमके ने दस सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। इस चुनाव में डीएमके और एडीएमके के अलावा अन्य क्षेत्रीय दल भी चुनाव मैदान में हैं। राजग राज्य में द्रविड संस्कृति वाली सियासत के इस चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की रणनीति के साथ चुनाव मैदान में है।

क्या है दलगत गणित

तमिलनाडु में साल 2019 के लोकसभा चुनाव में 39 में से डीएमके सर्वाधिक 24 सीटें जीत आगे रहा, जबकि कांग्रेस को आठ, सीपीआई को दो, एडीएमके, वीसीके, सीपीएम तथा आईयूएमएल को एक-एक सीट मिली थी। जबकि इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनाव में एडीएमके ने 37 तथा भाजपा व पीएमके ने एक-एक सीट पर जीत दर्ज की थी।

ये सामाजिक परिदृश्य

तमिलनाडु की जनसंख्या 7.21 करोड़ से ज्यादा है, जहां ओबीसी 80 प्रतिशत और ब्राह्मण करीब चार प्रतिशत हैं। तमिलनाडु घरेलू पैनल सर्वेक्षण के प्री-बेसलाइन सर्वेक्षण 2018-19 के अनुसार राज्य में पिछड़ा वर्ग (बीसी) 45.5 प्रतिशत और सबसे पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) राज्य की आबादी का 23.6 प्रतिशत है। भाजपा ने उसी संतुलन के साथ उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में भी उतारकर बड़ा दांव खेला है।

पीएमके इसलिए होगी खास

डॉ. एस. रामदास अंबुमणि के दल पीएमके का उत्तरी तमिलनाडु के 6 जिलों में खासा असर है। अति पिछड़े वण्णियार समुदाय में पीएमके की पैठ है। राज्य की करीब 6 प्रतिशत वोटों पर पीएमके की पकड़ मजबूत है। राज्य की 11 लोकसभा सीटों सलेम, धर्मपुरी, विल्लुपुरम, कुडलोर, थिरुवन्नमलाई, वेल्लोर, आरणी, कल्लाकुरिचि, पेरांबलुर, नमक्कल और चिदंबरम पर पीएमके का असर है। पिछले 2019 के लोकसभा चुनाव में पीएमके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ थी और उसे 5.3 प्रतिशत वोट मिले। जबकि भाजपा को पिछले लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु में 3.6 प्रतिशत वोट मिले थे।

इन सात सीटों पर भाजपा की नजरें

तमिलनाडु में अपने विजय रथ की राह बनाती भाजपा की प्रमुख रुप से कन्याकुमारी और रामनाथपुरम के इर्द-गिर्द सात लोकसभा सीटों पर नजरें लगी हैं, जहां तमिलनाडु के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई ने पदयात्रा करके भाजपा का जनाधार मजबूत करने में जुटे हैं। इससे पहले 2019 के चुनाव में भी एआईएडीएमके ने भाजपा इनमें से ही 6 सीटें दी थी, जहां इस बार भाजपा को अपनी जीत की उम्मीद हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25

केजरीवाल को सीएम पद से हटाने की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने की सुनवाई

हाईकोर्ट ने कहा-हमें राष्ट्रपति या एलजी को मार्गदर्शन देने की कतई जरूरत नहीं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सीएम पद से हटाने की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई की। कोर्ट ने याचिका रद करते हुए स्पष्ट कहा कि हम राष्ट्रपति या एलजी को मार्गदर्शन नहीं दे सकते हैं। एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने कहा कि इस मुद्दे की जांच करना कार्यपालिका और राष्ट्रपति का काम है और कोर्ट इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि क्या न्यायिक हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश है? हमने आज के अखबारों में पढ़ा है कि एलजी इस मुद्दे की जांच कर रहे हैं। फिर यह राष्ट्रपति के पास जाएगा। यह एक अलग विंग के लिए है। वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल का मोबाइल ईडी ने जब्त कर उसका डेटा अपनी कस्टडी में ले लिया है।

खास बातें

- ईडी ने कहा केजरीवाल जांच में सहयोग नहीं कर रहे
- घोटाले के कई आरोपियों के डिजिटल डेटा लेना बाकी

ईडी के सामने पेश नहीं हुई महुआ

तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन को नजरअंदाज करते हुए ईडी के सामने पूछताछ के लिए पेश नहीं हुई। उन्होंने कहा कि कृष्णानगर निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार में व्यवस्त होने के कारण पूछताछ के लिए उपस्थित होना संभव नहीं होगा।बता दें कि ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन मामले में पूछताछ के लिए मोइत्रा और दुबई स्थित व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी को नया समन जारी किया था।

सीएम पद से हटाने के लिए कानून नहीं

पीठ ने कहा कि आप हमें कुछ ऐसे कारण बताएं जो उन्हें सीएम बनने से रोकता है। यदि कोई संवैधानिक विफलता है तो राष्ट्रपति या राज्यपाल उस पर कार्रवाई करेंगे। इसमें कुछ समय लग सकता है, लेकिन मुझे यकीन है कि वे इस पर निर्णय लेंगे। आज की स्थिति कुछ ऐसी है जिसकी कल्पना नहीं की गई थी। आज कोई कानूनी रोक नहीं है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह राजनीति में नहीं आएगी और अंततः जनता ही इन मुद्दों पर फैसला करेगी। कोर्ट ने साफ कहा कि हमें इस राजनीति में नहीं पड़ना चाहिए। राजनीतिक दल इसको देखें। वे जनता के सामने जाएंगे।

केजरीवाल की पत्नी सुनीता के फोन का डेटा जब्त किया

ईडी की ओर से कोर्ट के सामने रखे गए तथ्यों में यह भी सामने आया कि जांच एजेंसी ने उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल का फोन भी जब्त किया है। ईडी ने केजरीवाल की रिमांड बढ़ाने की मांगते करते हुए कहा कि अभी कुछ और आरोपियों से उनका आमना-सामना करना है। जांच एजेंसी ने यह भी आरोप लगाया कि केजरीवाल जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। कहा गया कि वह अपने फोन का पासवर्ड नहीं बता रहे हैं। ईडी ने कहा, 'एक मोबाइल (गिरफ्तार किए गए शख्स की पत्नी) फोन का डेटा निकाल लिया गया है और इसका विश्लेषण किया जा रहा है। हालांकि, 4 अन्य डिजिटल डिवाइसेज (जो गिरफ्तार किए गए व्यक्ति से जुड़े हैं)।

कोटा में नीट की छात्रा ने की आत्महत्या

कोटा (भाषा)। राजस्थान के कोटा में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रही 19 वर्षीय एक छात्रा में अपने 'पीजी कक्ष' में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। शहर में कोचिंग करने वाले छात्रों द्वारा इस वर्ष की शुरुआत से अब तक आत्महत्या करने का यह सातवां मामला है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक राजेश टेलर ने बताया कि सौम्या कुर्मी ने बुधवार देर रात पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इससे एक दिन पहले नीट की तैयारी कर रहा छात्र मोहम्मद उरूज (20) विज्ञान नगर में अपने पीजी आवास में मृत पाया गया था।पुलिस ने बताया कि जब सौम्या कुर्मी ने अपने कमरे का दरवाजा नहीं खोला तो उसके दोस्तों ने दरवाजा तोड़ दिया और उसे फंदे से लटका पाया। पुलिस उपाधीक्षक टेलर ने बताया कि कुर्मी उत्तर प्रदेश के अमेठी शहर की मूल निवासी थी और एक वर्ष से अधिक समय से यहां एक कोचिंग संस्थान से नीट की तैयारी कर रही थी। वह लगभग एक महीने पहले ही महावीर नगर में इस पीजी में आई थी। उन्होंने बताया कि कमरे से एक नोट मिला है और पुलिस उसकी जांच कर रही है।

18 साल की उम्र में गंवाए हाथ अब पैरों से गढ़ रहे कीर्तिमान

कोटा (राजस्थान)। महज 18 साल की उम्र में दोनों हाथ गंवाने वाले 58 वर्षीय देवकीनंदन शर्मा ने परिस्थितियों से हार नहीं मानी और पैरों की अंगुलियों से लिखना सीखा। कभी उत्तराखंड में पशु चराने का काम करने वाले शर्मा अपनी मेहनत के बल पर अब राजस्थान में एक एनजीओ में प्रबंधक के पद पर हैं। कोटा में 'भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति' के कार्यालय में शर्मा कागजात संबंधी काम करते हैं और केवल अपने पैर की उंगलियों का उपयोग करके डिजिटल रूप से सभी रिकॉर्ड रखते हैं। शर्मा ने कहा, ''कागजात पिन करना मेरे लिए एक कठिन काम है क्योंकि इसमें बहुत मशक्कत और समय लगता है।'' पारंपरिक तौर पर डेस्क पर काम करने के विपरीत, शर्मा जमीन पर लकड़ी का एक चौड़ा फट्टा रखकर पैरों की मदद से कागजात संबंधी कार्य करते हैं। इन कर्तव्यों के साथ-साथ वह उसी लकड़ी के बोर्ड पर कंप्यूटर रखकर अपना काम अच्छे से करते हैं। शर्मा अपने पैर की अंगुलियों से माउस और कीबोर्ड का सहजता से उपयोग कर पाते हैं।

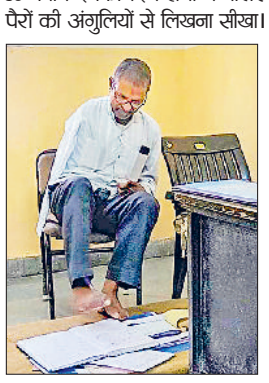

आसमान में कांपेंगे चीन-पाकिस्तान

कामयाब हुई 'तेजस एमके-1ए' की पहली उड़ान

बेंगलुरु (एजेंसी)। रक्षा क्षेत्र में भारत ने एक और उपलब्धि हासिल की है। पूरी तरह से स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट ने गुरुवार को बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के हवाई अड्डे से उड़ान भरी। रक्षा विमानन क्षेत्र में भारत का स्वर्ण युग गुरुवार को 4.5 पीढ़ी के तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमान की पहली उड़ान के साथ शुरू हो गया है। स्वदेशी रूप से विकसित तेजस एमके-1ए फाइटर जेट ने 22 मार्च को अपना दूसरा लो-स्पीड टैक्सी ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा किया था। तेजस एमके-1ए फाइटर जेट में डिजिटल फ्लाई बाय वायर फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर को लगाया गया है। इस सिस्टम से रडार, एलिवेटर, एलिरॉन, फ्लैप्स और इंजन का नियंत्रण इलेक्ट्रॉनिक तरीके से हो पाएगा।

सैनिकों के खिलाफ अपराध दर्ज करने बनाया डेटाबेस

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों को दर्ज करने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रगति की निगरानी के लिए एक नये डेटाबेस की शुरुआत की है। इससे कई खेमे में खलबली मच गई है। ताजा मामले में अभी इजराइल ने भी संयुक्त राष्ट्र के बैनर तले काम करने वाले एक ऐसे ही समूह पर हमास के साथ युद्ध में शामिल होने का आरोप लगाया था। भारत ने जो डेटाबेस तैयार किया है, वह दुनिया भर में संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों के अपराधों के खिलाफ कार्रवाई के लिए है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की दूत रुचिरा कंबोज ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

जीओएफ का 2022 में गठन, 40 देश शामिल

भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने कहा कि डेटाबेस को ऑनलाइन तरीके से आंकड़े संरक्षित करने के रूप में कार्य करने के लिए तैयार किया गया है, जो सचिवालय, मिशन और सदस्य राज्यों को शांति सैनिकों के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण कृत्यों के मामलों की निगरानी और इनका समाधान करने के लिए सशक्त बनाता है। भारत द्वारा यूएन की अध्यक्षता के दौरान जीओएफ को शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए 2022 में गठित किया गया था। भारत, बांग्लादेश, मिस्र, फ्रांस, मोरक्को और नेपाल जीओएफ के सह-अध्यक्ष हैं, जिसमें 40 सदस्य देश शामिल हैं।